रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, मंगलवार 17 दिसंबर 2024, वर्ष 10, अंक 335 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया   alagpahchan@gmail.com   www.alagpahchan.com

JSSC कार्यालय में छात्रों पर लाठीचार्ज

JSSC कार्यालय का घेराव के बीच CGL अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन,

रांची: झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) परीक्षा 2023 में सफल हुए 2231 अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का काम सोमवार को शुरू हो गया। रांची के नामकुम स्थित जेएसएससी कार्यालय में 16 से 20 दिसंबर तक डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का काम होना है। छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो समेत कुछ छात्र संगठनों की ओर से डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का विरोध किया गया। विरोध कर रहे छात्र नेता प्रश्न पत्र लीक होने का आरोप लगा रहे है और परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं। अपनी मांगों के समर्थन में देवेंद्रनाथ महतो कई समर्थकों से सड़क पर उतरे, लेकिन पुलिस ने आयोग कार्यालय पहुंचने के पहले ही उन सभी को हिरासत में ले लिया। इस दौरान कुछ स्थानों पर पुलिस को हल्का बल भी प्रयोग करना पड़ा। रांची जिला प्रशासन ने शनिवार सुबह साढ़े पांच बजे से 20 दिसंबर रात आठ बजे तक एसएससी कार्यालय के 500 मीटर के दायरे में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। जेएसएससी ने 16 से 22 दिसंबर के बीच दस्तावेज सत्यापन के लिए चयनित 2,231 अभ्यर्थियों को बुलाया है। जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में 3.04 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। **सभी 24 जिलों से अभ्यर्थियों के रांची पहुंचने का दावा** पुलिस हिरासत में लिए जाने के पहले देवेंद्रनाथ महतो ने कहा कि भारी सुरक्षा इंतजाम और निषेधाज्ञा के बावजूद छात्र जेएसएससी कार्यालय के पास इकट्ठा हो रहे हैं। छात्र संगठन का मकसद आयोग की दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया को रोकना है। उन्होंने कहा कि सभी 24 जिलों से हजारों अभ्यर्थी रांची पहुंचे हैं और वे एसएससी कार्यालय का घेराव करेंगे। **जांच के बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए प्रवेश की अनुमति** पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सभी प्रवेश बिंदुओं पर जांच सुनिश्चित की जा रही है और किसी को भी बिना जांच के प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

पीली सरसों की ज्यादा पैदावार से किसानों में खुशी, कम मेहनत में हो रहा काम

झारखंडः लोहरदगा जिले में किसान अब सरसों की खेती को बढ़ावा दे रहे हैं, क्योंकि इसमें कम मेहनत और ज्यादा मुनाफा है। सरकार की तरफ से भी इस फसल को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले में मौसम आधारित खेती के कारण किसानों को अक्सर नुकसान का सामना करना पड़ता है, खासकर जब बारिश नहीं होती है और फसलें सूख जाती हैं। ऐसे में किसान आर्थिक और मानसिक परेशानी का शिकार हो जाते हैं, यही कारण है कि उन्हें नई फसलें लगाने की सलाह दी जाती है।लोहरदगा में अब सरसों की खेती किसानों के जीवन में खुशियों की बहार ला रही है, विशेष तौर पर पहाड़ी इलाकों में इस फसल को बड़ी सफलता मिल रही है। कम पानी में भी इसकी अच्छी पैदावार होती है, जिससे किसानों को बेहतर मुनाफा हो रहा है।सरसों की खेती की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कम मेहनत और कम पानी की जरूरत होती है, फिर भी इससे अच्छा मुनाफा प्राप्त होता है। जिले में हर साल औसतन 1000-1200 मिलीमीटर बारिश होती है और यहां कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल 55,070 हेक्टेयर है, जिसमें से 7,752 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित है।

प्रियंका फिलिस्तीन के सपोर्ट वाला बैग लेकर संसद पहुंचीं: उस पर लिखा था- फिलिस्तीन आजाद होगा

नई दिल्ली प्रियंका गांधी लोकसभा की वायनाड सीट से सांसद हैं। वे नवंबर में हुए उपचुनाव में जीतकर आई हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी सोमवार को संसद में फिलिस्तीन के समर्थन वाला एक बैग लेकर पहुंची। इस पर लिखा है- 'फिलिस्तीन आजाद होगा।' हैंड बैग पर शांति का प्रतीक सफेद कबूतर और तरबूज भी बना था। इसे फिलिस्तीनी एकजुटता का प्रतीक माना जाता है। इससे पहले जून 2024 में भी प्रियंका ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना की थी। तब प्रियंका की टिप्पणी नेतन्याहू के अमेरिकी कांग्रेस को दिए भाषण में गाजा में चल रहे युद्ध का बचाव करने के बाद आई थी। तब उन्होंने कहा था कि गाजा में इजराइल सरकार ने क्रूरतापूर्वक नरसंहार किया है। प्रियंका ने X पर लिखा था- सही सोच रखने वाले हर व्यक्ति और दुनिया की हर सरकार की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे इजराइल सरकार के नरसंहार की निंदा करें और उन्हें रोकने के लिए मजबूर करें। मैं इस बारे में कई बार बता चुकी हैं कि मेरे विचार क्या हैं। मैं कैसे कपड़े पहनूंगी, इसे कौन तय करेगा। ये तो बरसों से चली आ रही रूढ़वादी पितृसत्ता की तरह हुआ कि महिलाएं क्या पहनें, क्या नहीं। मैं इसे नहीं मानती, मैं जो चाहूंगी, वही पहनूंगी। लोकसभा में जाने से पहले प्रियंका गांधी ने एंट्रेंस पर बैग के साथ पोज दिया। प्रियंका के हाथ में यह बैग तब भी मौजूद था जब कांग्रेस के सांसद सदन के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। बैग की यह तस्वीर लुटियंस मीडिया ने अपने X हैंडल पर पोस्ट की है।

बैग पर बने फिलिस्तीन के प्रतीक चिह्नफिलिस्तीन के 8 प्रतीक चिह्न ऐसे हैं, जो उनकी पहचान और इजराइल के लिए विरोध को दिखाते हैं। प्रियंका जो बैग लाईं थीं, उसमें कैफियेह, तरबूज, जैतून की शाखा, फिलिस्तीन कढ़ाई, शांति का प्रतीक का कबूतर बना हुआ है।

नारायण मूर्ति ने 70 घंटे काम करने की बात दोहराईःकहा- युवाओं को बहुत मेहनत करनी होगी, देश में 80 करोड़ लोग गरीब

कोलकाता इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने एक बार फिर हफ्ते में 70 घंटे काम करने की बात दोहराई। उन्होंने कहा- युवाओं को यह समझना होगा कि हमें कड़ी मेहनत करनी होगी और भारत को नंबर एक बनाने की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने कहा, 'हमें अपनी आकांक्षाएं ऊंची रखनी होंगी, क्योंकि 800 मिलियन (80 करोड़) भारतीयों को मुफ्त राशन मिलता है। इसका मतलब है कि 800 मिलियन भारतीय गरीबी में हैं। अगर हम कड़ी मेहनत करने की स्थिति में नहीं हैं तो कौन कड़ी मेहनत करेगा।' मूर्ति ने कहा, 'इंफोसिस में मैंने कहा था कि हम सर्वश्रेष्ठ कंपनियों के पास जाएंगे और अपनी तुलना सर्वश्रेष्ठ वैश्विक कंपनियों से करेंगे। एक बार जब हम अपनी तुलना सर्वश्रेष्ठ ग्लोबल कंपनियों से करेंगे तो मैं आपको बता सकता हूं कि हम भारतीयों के पास करने के लिए बहुत कुछ है।' उन्होंने कहा कि एक समय वे वामपंथी थे, जब जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री थे और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) वास्तविकता बन चुके थे। मूर्ति रविवार को कोलकाता पहुंचे थे। वे इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। दुनिया भारत का सम्मान उसके प्रदर्शन के लिए करती है। प्रदर्शन से पहचान मिलती है, पहचान से सम्मान मिलता है, सम्मान से शक्ति मिलती है। मैं युवाओं को यह बताना चाहता था कि हमारे संस्थापकों के सपने को पूरा करने की हमारी बड़ी जिम्मेदारी है। यही कारण है कि हम सभी को कड़ी मेहनत करनी होगी। **हम सभी नेहरू और समाजवाद के मुरीद थे** आरपीएसजी ग्रुप के चेयरमैन संजीव गोयनका से बात करते हुए मूर्ति ने कहा- मेरे पिता उस समय देश में हो रही असाधारण प्रगति के बारे में बात करते थे। हम लोग नेहरू और समाजवाद के मुरीद थे। उन्होंने कहा कि मुझे 70 के दशक की शुरुआत में पेरिस में काम करने का मौका मिला था, लेकिन मैं कंफ्यूज था। पश्चिमी देश बात करते थे कि भारत कितना गंदा और भ्रष्ट है। मेरे देश में गरीबी थी और सड़कों पर गड्ढे थे।

भारत और श्रीलंका में रक्षा-ऊर्जा समेत कई समझौता

नई दिल्ली श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके भारत के दौरे पर हैं। राजकीय यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में दिसानायके का स्वागत किया। इस मौके पर दोनों देशों ने समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया। डिजिटल बनाने में जबरदस्त सफलता हासिल इसके बाद, पीएम मोदी और दिसानायके ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने कहा, 'भारत ने सार्वजनिक सेवाओं को डिजिटल बनाने में जबरदस्त सफलता हासिल की है। श्रीलंका भी उसी मार्ग पर चल रहा है। पीएम मोदी ने मुझे इस कोशिश में समर्थन देने का आश्वासन दिया है।' पीएम मोदी ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति का जताया आभार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'मैं राष्ट्रपति दिसानायके का भारत में स्वागत करता हूं। हमें खुशी है कि राष्ट्रपति के रूप में आपने अपनी पहली विदेश राजकीय यात्रा के लिए भारत को चुना है। आज की यात्रा से हमारे संबंधों में नई गति और ऊर्जा का संचार हो रहा है। हमारी साझेदारी के लिए हमने एक भविष्योन्मुखी दृष्टि अपनाई है। हमारे आर्थिक सहयोग में, हमने निवेश-आधारित विकास और कनेक्टिविटी पर बल दिया है।

अब तक पांच अरब डॉलर की दी सहायताः पीएम मोदी

'भारत ने श्रीलंका को अब तक पांच अरब डॉलर की क्रेडिट लाइन और अनुदान सहायता प्रदान की है। श्रीलंका के सभी 25 जिलों में हमारा सहयोग है और हमारी परियोजनाओं का चयन हमेशा साझेदार देशों की विकास प्राथमिकताओं पर आधारित होता है। शिक्षा सहयोग के तहत अगले साल से जाफना और पूर्वी प्रांत के विश्वविद्यालयों में 200 छात्रों को मासिक छात्रवृत्ति दी जाएगी। अगले पांच वर्षों में श्रीलंका के 1500 सिविल सेवकों को भारत में प्रशिक्षण किया जाएगा। आवास, नवीकरणीय ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के साथ, भारत श्रीलंका में कृषि, डेयरी और मत्स्य पालन के विकास के लिए भी सहयोग करेगा।

महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली याचिकाकर्ताओं की तरफ से अधिवक्ता महालक्ष्मी पवानी ने कहा कि छोटे शहरों में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की कई घटनाएं हो रही हैं और उन्हें दर्ज नहीं किया जा रहा है। इस पर पीठ ने हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक खास याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई। दरअसल, याचिका में समाज में महिलाओं, बच्चों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए अखिल भारतीय दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों तथा उनसे संबंधित विभागों को नोटिस जारी किया। साथ ही मामले की अगली सुनवाई जनवरी में तय की। **'यौन उत्पीड़न की**

घटनाओं को नहीं किया जा रहा दर्ज' याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट वुमन लॉयर्स एसोसिएशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता महालक्ष्मी पवानी ने कहा कि छोटे शहरों में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की कई घटनाएं हो रही हैं और उन्हें दर्ज नहीं किया जा रहा है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद यौन हिंसा की करीब 95 घटनाएं हुई हैं, लेकिन इन्हें उजागर नहीं किया गया। **नपुंसक बनाने जैसी सजाएं मिलनी चाहिए** उन्होंने कहा कि स्कैंडिनेवियाई देशों की तरह अपराधियों को रासायनिक नपुंसक बनाने जैसी सजाएं मिलनी चाहिए। पीठ ने कहा कि वह याचिका में उल्लेख किए गए कई अनुरोधों को स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि वे बर्बर और भयावह हैं, लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो बहुत नए हैं और उनकी जांच की आवश्यकता है।

अदालत ने क्या कुछ कहा? न्यायाधीश सूर्य कांत ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन में उचित व्यवहार बनाए रखने का सवाल विचार करने लायक मुद्दों में से एक है और बसों, मेट्रो और ट्रेनों में किसी को कैसे व्यवहार करना चाहिए, इस पर जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है।

150 करोड़ रिश्वत के आरोपों पर सिद्धारमैया ने विजयेंद्र को घेरा; भाजपा का पलटवार

बंगलूरू सिद्धारमैया से जब यह पूछा गया कि क्या वे मणिप्पडी के कथित दावों की सीबीआई जांच का आदेश देंगे? उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को उठाया जाएगा और इस पर चर्चा की जाएगी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र पर अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिप्पाडी को 150 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। उनके इस आरोपों को भाजपा नेता ने खारिज कर दिया। हालांकि, विजयेंद्र द्वारा इन आरोपों को खारिज करने के एक दिन बाद कर्नाटक के सीएम ने बताया कि उनके पास वीडियो फुटेज है, जिसमें अनवर मणिप्पाडी को भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र पर रिश्वत लेने का आरोप लगाते हुए देखा गया है। उनके इन आरोपों पर भाजपा ने भी प्रतिक्रिया दी। पार्टी ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की। सिद्धारमाया ने कहा, मनिप्पाडी ने खुद यह बात बताई थी। अब कौन सा बयान सच है और कौन सा झूठ? मनिप्पाडी ने ही सबसे पहले यह बात कही थी। अगर अब वह न कहता है तो इसमें क्या किया जाएगा। मेरे अनुसार, हमारी प्रतिक्रिया सही है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, वह (मणिप्पाडी) वही हैं जिसने दावा किया था कि उसे 150 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। इसका वीडियो रिकॉर्डिंग भी है। उसने यह बात एक प्रेस वार्ता में कही। अब इतने वर्षों बात वह इससे इनकार कर रहा है। सीबीआई जांच पर क्या बोले सिद्धारमैया सिद्धारमैया से जब

यह पूछा गया कि क्या वे मणिप्पडी के कथित दावों की सीबीआई जांच का आदेश देंगे? उन्होंने कहा, मणिप्पाडी ने यह कहा। इस मुद्दे को उठाया जाएगा और चर्चा की जाएगी। सिद्धारमैया ने इससे पहले अपने बयान में कहा था कि मणिप्पाडी ने सार्वजनिक रूप से यह बयान दिया था कि बी.एस. येदियुरप्पा के मुख्यमंत्री रहते हुए विजयेंद्र ने उनके घर पर आकर वक्फ संपत्ति घोटाले की रिपोर्ट पर चुप रहने के लिए डेढ़ सौ करोड़ रुपये की रिश्वत देने की पेशकश की थी।

विश्व विख्यात तबला वादक जाकिर हुसैन के निधन पर किया शोक व्यक्त

विश्व विख्यात सुप्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के आकस्मिक निधन पर कवि सम्मेलन आयोजन समिति एवं रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने शोक व्यक्त करते हुए कहा है। संगीत नाटक अकादमी, ग्रैमी, पद्म श्री, पद्म भूषण व पद्म विभूषण जैसे अनेक पुरस्कारों से सम्मानित, सुप्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन का निधन कला एवं संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है । उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को ही उम्र भर जिया, तथा उन्होंने भारत ही नहीं पूरे विश्व को भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रति आकृष्ट किया। उनके निधन के साथ ही एक युग का

अवसान हुआ है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों मे- रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, महामंत्री विनोद कुमार जैन, कवि सम्मेलन आयोजन समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार नारसरिया, सचिव अनिल अग्रवाल, सुरेश चंद्र अग्रवाल, पवन पोद्दार, पवन शर्मा, मनोज चौधरी, प्रमोद अग्रवाल, अनिल कुमार अग्रवाल, कौशल राजगढ़िया,किशोर मंत्री,कमलेश संचेती,कमल जैन,प्रमोद सारस्वत, निर्भय शंकर हारित, मनोज बजाज, संतोष अग्रवाल, अंजय सरावगी,रतन मोर, रमन वोडा, अनूप अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल, राजेश भरतिया, निर्मल बुधिया, विकास अग्रवाल,सौरभ बजाज, मनीष लोधा, अमित बजाज, रौनक झुनझुनवाला, अमित चौधरी, सनी टिबडेवाल, विशाल पाड़िया, आदि शामिल है।

अलग पहचान
सत्य की उड़ान

एचसीसीबी ने झारखंड में बॉटलिंग कामकाज के हस्तांतरण की घोषणा की

रांचीः एचसीसीबी ने झारखंड में अपने मौजूदा बॉटलिंग कामकाज के हस्तांतरण की घोषणा की, जिसे अभी हिन्दुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस प्रा. लि. (एचसीसीबी) द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो द कोका-कोला कंपनी की सब्सिडिएरी है अब से झारखण्ड का बिजनेस मून बेवरेजेस प्रा. लि. के पास होगा और यही इसका मालिक होगा और कारोबार का संचालन करेगा। मून बेवरेजेस प्रा. लि. अभी दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश के भागों, पूर्वोत्तर बाजार तथा पश्चिम बंगाल के चुनिंदा क्षेत्रों में परिचालन कर रही है। एचसीसीबी इंडिया के सीईओ जुआन पाब्लो रोड्रिग्ज ने कहा कि यह कारोबारी हस्तांतरण कोका-कोला बेवरेजेस के लिये एक महत्वपूर्ण फैसला है। इससे सुनिश्चित होता है कि व्यवसाय के सभी हिस्सों में सही स्तर पर निवेश किये जा सकें। इससे बिजनेस का पैमाना और नजदीकी दोनों बढ़ेगी। भारत में अपने बेवरेजेस बिजनेस को लेकर हमारे पास लंबे वक्त के लिये तरक्की की संभावनाएं हैं। हमें विश्वास है कि इस कदम से कोका-कोला सिस्टम में तेजी आएगी और हम बाजार पर जीत दर्ज करेंगे तथा स्थानीय समुदायों को अधिक महत्व प्रदान करेंगे।' इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिये एचसीसीबी मिलकर काम करने के लिये प्रतिबद्ध रहेगी। ऐसे में ग्राहकों, उपभोक्ताओं तथा सिस्टम के कर्मचारियों को कम परेशानी होगी।

बालू आपूर्ति को सामान्य बनाये जाने के मुद्दे पर सीएम से हस्तक्षेप करने का आग्रह

रांचीः प्रदेश में बालू आपूर्ति को सामान्य बनाये जाने के मुद्दे पर फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने मुख्यमंत्री को पत्राचार कर, हस्तक्षेप का आग्रह किया गया है। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी और रियल एस्टेट उप समिति चेयरमेन अंचल किंगर ने संयुक्त रूप से कहा कि झारखण्ड में बालू की पर्याप्त अनुपलब्धता और दरों में बेतहाशा वृद्धि से एक तरफ जहां संवेदक व डेवलपर्स के प्रोजेक्ट्स अधूरे रह जा रहे हैं, वहीं निर्माण कार्य में संलग्न श्रमिक बंधुओं की भी आजीविका प्रभावित हो रही है। पडोसी राज्य बिहार पर बालू की निर्भरता के कारण लोग बेतहाशा दरों पर बालू खरीदकर निर्माण कार्य कराने के लिए विवश हैं, जिस क्रम में इसकी कालाबाजारी भी चरम पर है जिसकी अतिशीघ्र समीक्षा आवश्यक है।
एक अन्य मामले में चैंबर महासचिव आदित्य मल्होत्रा द्वारा नगर विकास मंत्री को पत्राचार कर प्रदेश में रियल एस्टेट कारोबार के प्रोत्साहन में आनेवाली चुनौतियों पर विमर्श के लिए संयुक्त बैठक की भी ईच्छा जताई गई। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनील सरावगी ने दी।

जेवीएम श्यामली में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

जेवीएम श्यामली में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार 16 दिसंबर को जेवीएम शामली में जूनियर कक्षा 1 से 5 का नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया सभी प्रतिभागियों ने मनमोहक प्रस्तुति के माध्यम से दर्शकों को अभिभूत किया कार्यक्रम में भारत की विभिन्न राज्यों के लोक नृत्य की प्रस्तुति से अनेकों रंग देखने को मिले इस कार्यक्रम में श्रीमती मौसमी चंदा एवं नेहा प्रियदर्शनी ने जज की भूमिका निभाई विद्यालय की प्राचार्य श्री समरजीत जाना की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए प्राचार्य महोदय ने कहा अभिभावक अपने बच्चों के सपनों को बोलने वाले कारीगर हैं हमें पढ़ाई के साथ-साथ कल के क्षेत्र में भी बच्चों को अपना योगदान देने के लिए प्रेरित करना चाहिए एवं गुरु परंपरा को मानते हुए शिक्षकों को मार्गदर्शन के रूप में अपनाना चाहिए |

कैलाश की करुणा, रॉंची का जत्था अमृत कलश लेकर पाकिस्तान रवाना

निःशुल्क चिकित्सा उपकरण बैंक कैलाश की करुणा राँची के संस्थापक कैलाशी अरविन्द सिहं कौशल के नेतृत्व में 8 यात्रीयों का जत्था पाकिस्तान रवाना हुआ। पुरे भारत वर्ष से 120 दर्शनार्थी को वीजा मिला है, उसका नेतृत्व श्री शिव शक्ति परिवार टाटानगर के श्री विजय शर्मा एवं श्री रणवीर मणी जी कर रहें हैं। जत्था अमृतसर होते हुए 19 दिसंबर को अटारी वॉडर से पाकिस्तान जाएगा। जत्था चकवाल स्थित अमरकूण्ड में स्नान एवं श्री कटासराज जी को पवित्र सरोवर एवं नदियों के जल से अभिषेक करेंगे, श्री रामचन्द्र जी के सुपुत्र महाराज लव जी की प्रयाण स्थल पर श्रद्धांजलि देंगे, राधा कृष्ण मंदिर, बाल्मीकि मंदिर दर्शन कर 25 दिसंबर को भारत वापसी करेगा। राँची के जत्थे का नेतृत्व करनेवाले कैलाशी अरविन्द सिंह कौशल के साथ महंत केशव दास त्यागी, सत्येन्द्र रजक, राजेश कुमार, अशोक कुमार सिंह, ज्योतिरींद्र नाथ दास, शिवानी रानी दास सहित राँची से 8 शिव भक्त शामिल हैं।

राज्य की शहरी सड़कों को सुधारें, पेयजल मुहैया करायेंःमंत्री

रांचीः नगर विकास एवं आवास मंत्री सुदिव्य कुमार ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि हरहाल में राज्य के सभी शहरों में सड़क की स्थिति सुधारी जाये। सभी शहरियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाये। साथ शहर और नदियों को स्वच्छ रखने के लिए सिवरेज सिस्टम और वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगायें जायें। विभाग के समक्ष यह सबसे बड़े और चुनौती पूर्ण कार्य है। मंत्री ने सोमवार को नेपाल हाउस सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में विभागीय योजनाओं की समीक्षा के क्रम में यह निर्देश दिया। उन्होंने कहाकि सबसे पहले राजधानी को सुधारना है। इसके लिए रांची को एडवांस बनाने की योजनायें बनायी जायें। समीक्षा बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने नगर विकास, रांची स्मार्ट सिटी कारपोरेशन , राज्य नगरीय निदेशालय,जुडको, आवास बोर्ड , ग्रेटर रांची डेवलपमेंट प्राधिकार तथा अन्य संबद्ध संस्थानों की योजनाओं के बारे में पीपीटी के माध्यम से बिंदुवार प्रस्तुतिकरण किया। प्रस्तुतिकरण की समीक्षा के क्रम में मंत्री कुमार ने प्रधान सचिव सहित विभाग के अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि सर्वप्रथम राजधानी रांची को संवारे सुधारें फिर राज्य के अन्य शहरों के विकास पर ध्यान दिया जाये। रांची में ई-बस का प्रावधान हर हाल में किया जाये। जब आम लोगों को हर पांच मिनट बाद बसें मिलने लगेंगी तो अपने आप लोग अपनी वाहन का इस्तेमाल कम करना शुरू कर देंगे। जिससे प्रदूषण नहीं फैलेगा और सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। मंत्री ने आम शहरियों के राहत के लिए सबसे बड़ी बात कही कि हर नगर निकाय में जनशिकायत कोषांग का गठन करते हुये टोल फ्री नंबर जारी किया जाये। शिकायत कर्ता को टोकन उपलब्ध कराया जाये और राइट टू सर्विस (सेवा के अधिकार) नियम के तहत शिकायतो की आवश्यकता को देखते हुये सभी कार्यों के लिए समय सीमा निर्धारित की जाये। उन्होंने कहा कि सभी नगर निकायों के बोर्ड भंग हैं, इसलिए वार्ड कमिश्नर कार्यरत नहीं हैं। ऐसे में आम जनता शिकायतों को लेकर परेशान है कि किसके माध्यम से शिकायतें दर्ज करायें जाये। मंत्री ने रांची में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुधारने के लिए निर्देश दिया कि सबसे पहले कितनी स्ट्रीट लाइट जल रही है और कितनी नहीं , इसका ब्यौरा तैयार किया जाये। इसके अलावा स्ट्रीट लाइट से संबंधित एक डैस बोर्ड बनाया जाये। डैस बोर्ड से स्ट्रीट लाइट के जलने और नहीं जलने की सूचना मिलती रहेगी। उसके अनुसार मरम्मत का किया जाये। डैस बोर्ड से स्ट्रीट लाइट कर मानिटरिंग होती रहेगी। संभव हो तो स्ट्रीट लाइट को जीपीएस सिस्टम से टैग करें और रिमोट व्यवस्था लागू की जाये। इस रांची नगर निगम के प्रशासक श्री संदीप कुमार को विशेष रूप से ध्यान देने का निर्देश दिया गया। मंत्री सुदिव्य ने कहा कि सभी 49 नगर निकायों में सिवरेज सिस्टम बनाने के लिए अलग अलग निकायों का नक्शा तैयार कर डीपीआर बनवाया जाये। जैसे जैसे राशि उपलब्ध होगी प्राथमिकता के आधार पर सिवरेज सिस्टम का निर्माण कराया जाये। सभी प्रस्तावों को सरकार के समक्ष रखते हुये आवश्यकता बता कर राशि के लिए संतुष्ट किया जायेगा। यह भी देखा जाये कि कौन कौन से निकाय अभी अमृत या किसी अन्य योजना से आच्छादित है कि नहीं। मंत्री ने प्रधान सचिव श्री सुनील कुमार से कहा कि वर्तमान में अधिकांश शहरों में नालों को गंदा पानी प्रवाहित हो रहा है। स्वच्छ भारत मिशन , अमृत एवं अन्य योजनाओं के सहारे छोटे पैमाने पर प्रस्ताव तैयार कर काम किया जाये जिससे नालों एवं अन्य गंदे पानी का शोधन कर नदियों में प्रवाहित किया जाये। इसके लिए सर्वोत्तम उपाय है कि हर शहर में सिवरेज सिस्टम लागू किया जाये। मंत्री ने कहा कि जल्द ही सभी मंत्री रांची स्मार्ट सिटी में बने मंत्री बंगलो में प्रवेश करेंगे। इसलिए मंत्रियों एवं उनके बंगलों की सुरक्षा के सभी आवश्यक उपाय जल्द किये जाये। मंत्री ने शहरों में आवास उपलब्ध कराने के लिए झारखंड हाउसिंग बोर्ड को तत्परता से योजना बनाने का निर्देश दिया मंत्री को प्रधान सचिव ने बताया कि रांची, धनबाद , हजारीबाग, देवघर, बोकारो एवं मेदिनीनगर में हाउसिंग कालोनी बनायी जानी है , इसके लिए संबंधित जिलों के उपायुक्तों को पत्र लिख दिया गया है। मंत्री ने कहा कि तोपचांची झील राज्य का प्रमुख पर्यटन केंद्र है। वहां मध्यम वर्ग के अधिक पर्यटक आते है। ऐसे पर्यटकों को ध्यान में रखते हुये सौंदर्यीकरण की योजना तैयार की जाये। योजना से संबंधित डीपीआर उन्हें उपलब्ध कराया जाये । वे पर्यटन विभाग से राशि उपलब्ध करा देंगे। गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट और पर्यटन से संबंधित आधारभूत संरचना तोपचांची झील के लिए बनायी जाये। बोटिंग और जलक्रीड़ा के संसाधन भी डीपीआर में समाहित किया जाये।मंत्री ने सभी नगर निकायों में मानव संसाधन के बारे में भी जानकारी ली। कहा कि मानव संसाधन के कारण किसी भी नगर निकाय का काम प्रभावित नहीं होना चाहिए । रिक्तियों की सूचना विभाग को उपलब्ध करायी जाये ताकि नियुक्तियों की जा सकें।

21 दिसम्बर को आभार समागम, 26 को शताब्दी समारोह एवं 28 को कांग्रेस स्थापना दिवस मनाने का निर्णय

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ओबीसी विभाग के चेयरमैन अभिलाष साहु की अध्यक्षता में सोमवार को कांग्रेस भवन, रांची में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश उपस्थित हुए। बैठक में मुख्य रूप से 18 दिसम्बर को गौतम अडानी द्वारा किए गए भ्रष्टाचार एवं मणिपुर में हो रही हिंसा को लेकर आयोजित राजभवन मार्च पर विशेष रूप से चर्चा की गई। इसके साथ ही 21 दिसम्बर के आभार समागम, 26 को शताब्दी समारोह एवं 28 को कांग्रेस स्थापना दिवस पर भी चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि उपर्युक्त सभी कार्यक्रमों को ऐतिहासिक बनाना है, इसके लिए ओबीसी विभाग के पदाधिकारी बढ़-चढकर अनुशासन पूर्वक अपने-अपने बैनर के साथ शामिल होना सुनिश्चित करेंगे। कांग्रेस का इतिहास देश का इतिहास है, इसको अलग नहीं किया जा सकता है। 26 दिसम्बर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी कांग्रेस का अध्यक्ष बने 100 वर्ष हो रहे हैं इस स्मृति के उपलक्ष्य में शताब्दी समारोह आयोजित है। इनके स्मृति को यादगार बनाना है तथा 28 दिसम्बर को कांग्रेस स्थापना दिवस को धूमधाम से मनाना है। उन्होंने कहा कि जनवरी 2025 के पहला सप्ताह में कांग्रेस ओबीसी विभाग द्वारा आभार कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ओबीसी विभाग के चेयरमैन अभिलाष साहु ने सभी जिला अध्यक्षों एवं प्रदेश पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा निर्देशित राजभवन मार्च को ऐतिहासिक बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में भागीदारी दें। साथ ही शताब्दी समारोह एवं कांग्रेस स्थापना दिवस को भी झंडा, बैनर पताखा के साथ जबरदस्त तरीके से मनाएं।
बैठक में मुख्य रूप मदन महतो, मनोज यादव, मो आसीफ, राजन वर्मा, आशा देवी, निजाम अंसारी, कैसफ रजा, अजीम अंसारी, रेणु देवी, सुरजीत नागवाला, दीपक साहु, आमिर हमजा शेख, कामेश्वर महतो, गुलाम हुसैन, जयनाथ साहु, परवेज आलम, संतोष महतो, संजीत यादव, अभिषेक साहु, कुलदीपक कुमार, अजय कुमार मंडल, राजीव चौधरी, अजय प्रजापति आदि शामिल थे।

उपायुक्त रांची, मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देशानुसार बैठक

रांची। उपायुक्त रांची, मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देशानुसार समाहरणालय ब्लॉक- ए स्थित सभागार में विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी रांची, मोनी कुमारी द्वारा सभी डीलर इंचार्ज (वार्ड संख्या 01 से 53) अनुभाजन क्षेत्र रांची के साथ बैठक करते हुए निम्न निर्देश दिए गएः- (1) झारखण्ड राज्य खाध सुरक्षा अधिनियम योजना के तहत ग्रीन राशन कार्डधारी का माह जनवरी एवं नवंबर, दिसम्बर 2024 का राशन वितरण में प्रतिशत में सुधार लाने का निर्देश दिया गया। (2) झारखण्ड राज्य खाध सुरक्षा अधिनियम योजना के तहत खाद्यान उठाव में और अधिक सुधार करने के लिए निर्देश दिया गया। (3) ई- केवाईसी कार्डधारी का आधार कार्ड से 3 दिनों के अंदर ऑनलाइन सिडिंग कराने का निर्देश सम्बंधित डीलर इंचार्ज को दिया गया। (4) मोबाइल सिडिंग हर कार्डधारी का कराते हुए इसमें और सुधार लाने के निर्देश दिए गए। (5) चना दाल/ नमक/ चीनी/ केरोसिन तेल वितरण कि समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द वितरण कराने का निर्देश दिया गया। (6) सोना-सोबरन धोती-साड़ी योजना कि समीक्षा करते हुए इसका वितरण जल्द से जल्द कराने का निर्देश दिया गया।

कृषि, आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन में मौसम विज्ञान विभाग का योगदान महत्वपूर्णः राज्यपाल

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को रांची स्मार्ट सिटी सभागार में आयोजित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के 150वें वर्ष उत्सव में सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मियों को उनकी निरंतर समर्पण और सेवाओं के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने इनके समर्पण और तकनीकी प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपनी सटीक भविष्यवाणियों और तकनीकी क्षमताओं से न केवल आपदाओं के प्रभाव को कम किया है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन और राष्ट्रीय सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राज्यपाल ने कहा कि मौसम विज्ञान विभाग और मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के प्रयासों ने राज्य में होने वाली गंभीर प्राकृतिक आपदाओं, जैसे वज्रपात, बाढ़, भारी वर्षा और शीतलहर के प्रभावों को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि मौसम विज्ञान केंद्र के प्रति जनमानस का विश्वास बढ़ा है, क्योंकि इसने पंचायत स्तर तक सटीक मौसम पूर्वानुमान और जानकारी उपलब्ध कराकर आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ किया है। राज्य में समय पर मौसम की चेतावनियाँ दी गईं, जिससे स्थानीय समुदायों और आपदा प्रबंधन दलों को प्रभावी सहायता मिल सकी। राज्यपाल ने झारखंड की कृषि अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि मौसम की सटीक जानकारी कृषि क्षेत्र के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि मौसम पूर्वानुमान से किसानों को फसल चयन, सिंचाई प्रबंधन और कीट नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहायता मिलती है। राज्यपाल ने यह भी बताया कि झारखंड को 'कृषि कर्मण पुरस्कार' प्राप्त हुआ है, जो राज्य की कृषि उत्कृष्टता को दर्शाता है और इसका श्रेय राज्य के किसानों के निरंतर प्रयासों को जाता है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में देश में हुए उल्लेखनीय प्रगति के बारे में भी उल्लेख किया।

रांची कड़ाके की ठंढ, कनकनी से लोग हल्कान, 20-21 को बारिश की संभावना

रांची : राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में कड़ाके की ठंढ पड़ रही है। सुबह में कुहासे के साथ कनकनी बढ़ गई है। पलामू, गढ़वा, चतरा, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, गुमला समेत कई जिले शीतलहर की चपेट में हैं।कनकनी से लोगों का हाल बुरा है। राज्य के करीब नौ जिलों का पारा छह डिग्री से नीचे आ चुका है। मौसम विभाग के अनुसार, 20 दिसंबर से आसमान में बादल छा सकते हैं। दो दिन तक हल्की बारिश की भी संभावना है। बंगाल की खाड़ी में अंडमान निकोबार के पास एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना है। इसके व्यापक होने के आसार हैं।राज्य के कई जिलों में बारिश की संभावना है।

रांची ने प्रखंड विकास पदाधिकारी कांके के रूप से पदभार लिया

रांची। आदित्य पांडेय (आई.ए. एस.), सहायक समाहर्ता, रांची ने कांके प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी के रूप में प्रभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के पश्चात पांडेय ने बोड़या पंचायत का औचक निरीक्षण किया। वहाँ उन्होंने अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना एवं मनरेगा योजना के बारे में जानकारी लिया। साथ ही योजनाओं की एंट्री की पद्धति का अवलोकन किया। उन्होंने प्रखंड के सभी पदाधिकारी/कर्मियों से कहा कि सभी कार्यालय ससमय आए और अपने दिए गए उत्तरदायित्व का का ईमानदारी पूर्वक निर्वाहन करें।

छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना अमानवीय और घोर निंदनीय : बाबूलाल मरांडी

लोकतांत्रिक अधिकारों को लाठी डंडे से कुचलने की हो रही कोशिश सीबीआई जांच की अनुशंसा कर मुख्यमंत्री गतिरोध समाप्त करें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को रांची में झारखंड पुलिस द्वारा राज्य सरकार के इशारे पर हुए बर्बर लाठीचार्ज की कठोर भर्त्सना की। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी का विरोध करने वाले छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना अमानवीय और निंदनीय है।राज्य सरकार लाठी डंडे से लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचलने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध का समाधान निकालने की बजाय लाठी और हिंसा के सहारे दमन करने की यह कोशिश मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की छात्रों, बेरोजगारों के प्रति संवेदनहीनता को उजागर करता है। कहा कि सोमवार को लाठी केवल छात्रों पर नहीं चली है, बल्कि सरकार से न्याय की उम्मीद पर भी प्रहार है।

विधायक जयराम महतो की पार्टी JLKM पर चुनाव में विदेशी फंडिंग का आरोप, चुनाव आयोग से की गई शिकायत

रांची : झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पर विदेशी फंडिंग के जरिए धन जुटाने का आरोप लगा है। इस मामले में चुनाव आयोग से शिकायत की गई थी जिसके बाद आयोग नें बोकारो डीसी को पत्र लिख कर आवश्यक कार्यवाई करने को कहा है।

सरकारी तालाब की बंदोबस्ती में अब पंचायत के लोगों का होगा दावाः शिल्पी नेहा तिर्की

रांचीः झारखंड में अब सरकारी तालाब की बंदोदस्ती का दायरा पंचायत स्तर तक ही सीमित रहेगा. पंचायत के अधीन पड़ने वाले सरकारी तालाब में अब उसी पंचायत के लोगों को बोली लगाने और उसके बाद मछली पालन का मौका मिलेगा. अब दूसरे जिले के लोग किसी पंचायत में सरकारी तालाब की बंदोबस्ती में भाग नहीं ले पाएंगे. बहुत जल्द इसको लेकर नियमावली बनाई जाएगी. राज्य की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने औचक निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों को ये दिशा निर्देश दिया है. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की सोमवार की शाम को अचानक रांची में औचक निरीक्षण के लिए निकली थी. इस दौरान उन्होंने डोरंडा स्थित मत्स्य निदेशालय केंद्र मछली पार्क और धुर्वा स्थित मत्स्य अनुसंधान केंद्र का औचक निरीक्षण किया. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की इस दौरान कुव्यवस्था को देख कर काफी नाराज हुई. मछली पार्क में फैली गंदगी, पॉलीथिन के इस्तमाल, आगंतुकों को होने वाली परेशानी को देखते हुए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने 10 दिनों के अंदर इसमें सुधार लाने का निर्देश दिया है. औचक निरीक्षण के क्रम में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने उपस्थिति पंजी की भी जांच की. काम के समय में अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों को अपने कार्य संस्कृति में सुधार लाने का निर्देश भी दिया गया है. कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने राज्य भर में सरकारी तालाब का जिलावार आंकड़ा विभागीय अधिकारियों से मांगा है. राज्य में 12 हजार 580 के करीब सरकारी तालाब है . जिसमें करीब एक हजार सरकारी तालाब रांची में है. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अब ऐसा नियम बनाए जिसमें पंचायत के अधीन पड़ने वाले सरकारी तालाब को उसी पंचायत के कॉपरेटिव सोसाइटी को दिया जा सके . तालाब की बंदोबस्ती में किसी दूसरे जिले को मौका नहीं मिलना चाहिए. ऐसा करने से स्थानीय स्तर पर लोगों को मछली पालन के साथ जोड़ कर उन्हें रोजगार मुहैया कराया जा सकता है. कॉपरेटिव सोसाइटी के लिए जरूरी 300 लोगों की अनिवार्यता में भी संशोधन करने का निर्देश मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिया है. मंत्री ने छोटे-छोटे कॉपरेटिव सोसाइटी बना कर गांव के लोगों को लाभ देने को कहा है. औचक निरीक्षण के क्रम में ये जानकारी मिली की इस साल 25 सौ लाख मछली जीरा छोड़े जाने का लक्ष्य रखा गया था. इस लक्ष्य के एवज में 16 सौ 46 लाख जीरा का वितरण किया जा सका है. सबसे कम लोहरदगा में 60 लाख जीरा का वितरण हुआ है. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इसको बढ़ाने के साथ-साथ कल तक रिपोर्ट देने को कहा है. मछली पालन में जेएसएलपीएस से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूह को जोड़ने की भी तैयारी है. रांची और हजारीबाग जिला के महिला स्वयं सहायता समूह को सबसे पहले मछली पालन से जोड़ने का निर्देश दिया गया है. कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की धुर्वा स्थित मत्स्य अनुसंधान केंद्र में चल रहे प्रशिक्षण केंद्र भी पहुंची. मछली पालन को लेकर प्रशिक्षण ले रही महिलाओं से मंत्री ने कई तरह की जानकारी ली. जानकारी के दौरान ये पता चला की प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण ले कर लौटी महिलाओं से गांव की दूसरी महिलाओं को पता चला की मछली पालन से कैसे रोजगार के अवसर मिल सकते है. मत्स्य अनुसंधान केंद्र में राज्य भर से आए किसानों को मछली पालन की जानकारी दी जाती है. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भी प्रशिक्षण में शामिल किसानों को मछली पालन को बेहतर रोजगार का साधन बताते हुए , इसके साथ जुड़ने की सलाह दी.

एक तरफ डॉक्यूमेंट्स वेरिफ़िकेशन, दूसरी तरफ प्रदर्शन

रांची : एक तरफ डॉक्यूमेंट्स वेरिफ़िकेशन, दूसरी तरफ प्रदर्शन एक ओर जेएसएससी के चाय बागान नामकुम स्थित कार्यालय में सीजीएल के अभ्यर्थियों डॉक्यूमेंट्स वेरिफ़िकेशन जारी है। तो वहीं दूसरी ओर प्रदर्शकारी छात्रों का आंदोलन भी कार्यालय के बाहर जारी है। प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया है। जेएलकेएम नेता देवेन्द्र महतो सहित कई छात्रों को गिरफ्तार भी किया गया है।

रांची जिला के ग्रामीण व जंगली क्षेत्रों में की जा रही अफीम की अवैध खेती को रांची पुलिस द्वारा विनिष्ट किया गया

रांची : दशमफॉल थानाक्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुर्गीडीह के आसपास के जंगली क्षेत्र में लगे अफीम के बीज लगे लगभग 02 एकड़ खेत को ट्रैक्टर से जोत कर एवं पुलिस बल के मदद से विनष्ट किया गया। इसके अलावा बुंडू थाना अंतर्गत ऐदलहातु ग्राम क्षेत्र में लगभग 1 एकड़ में लगे अफीम के पौधे को नष्ट किया गया । संबंधित थाना में अग्रतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

चान्हो में पहले दिनकिसानों से 32 क्विंटल धान खरीदा गया

चाहो : प्रखंड के सॉस लैम्पस में धान खरीददारी का शुभारंभ रविवार को किया गया। इसका उद्घाटन करते हुए जिप सदस्य आदिल अजीम ने कहा कि आज से सोंस लैम्पस में धान खरीदी की शुरुआत हो रही है, जिसके तहत सरकार ने किसानों की सुविधा के। लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली है। प्रबंधक अजय कुमार के अनुसार पहले दिन 32 क्विंटल धान की खरीदारी हुई हैं।

चान्हो में ऑटो पलटने से तीन महिलाएं घायल

चान्हो : थाना क्षेत्र के चान्हो सिलागाई रोड में रघुनाथपुर के पास ऑटो पलटने से उसमें सवार झालो देवी, शारदा कुमारी और संतो देवी घायल हो गई। घटना रविवार की सुबह सात बजे की है। तीनों घायलों को चान्हो सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि चान्हो के सोंस महलीटोली की तीनों महिलाएं बेड़ो के वनटोली आश्रम जा रही थी।

"प्रशासन आपके द्वार" कार्यक्रम का आयोजन

पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत गोईलकेरा प्रखंड के दूरस्थ सेरेंगदा गांव में जिला प्रशासन के तत्वावधान में सिंहभूम सांसद जोबा माझी के अध्यक्षता में तथा मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जगत माझी, जिला उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा की मौजूदगी में "प्रशासन आपके द्वार" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) पारस राणा, पोड़हाट-चक्रधरपुर अनुमंडल पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी, जिला स्तरीय पदाधिकारी, स्थानिक प्रखंड विकास पदाधिकारी, सुदूरवर्ती क्षेत्र के प्रखंड प्रमुख, सभी मानकी-मुण्डा, मुखिया गण, सभी पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधिगण तथा उक्त क्षेत्र के तकरीबन 8000 नागरिक गण के द्वारा भाग लिया गया। कार्यक्रम में अतिथियों के आगमन पर स्थानीय नागरिकों के द्वारा पारम्परिक एवं स्थानीय रीति-रिवाज के अनुसार सभी का स्वागत व अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम में दुर्गम क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं को निष्पादित करने हेतु जिला प्रशासन के द्वारा सामाजिक सुरक्षा, बिजली, सड़क, आधार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, पशुपालन, कृषि, आवास, समाज कल्याण सहित विविध 21 विभागों के स्टॉल का संचालन कर संबंधित आवेदन पत्र प्राप्त करते हुए योजना से संबंधित सभी जानकारियों को साझा किया गया। समारोह में उपस्थित प्रत्येक नागरिक को जिला प्रशासन की ओर से ठंड में बचाव हेतु कंबल और योजना की जानकारी युक्त थैला का वितरण किया गया।

प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम में अपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुऐ सिंहभूम सांसद ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में व्याप्त कामियों को दुर करने का कार्य निरंतर जारी है। ग्रामीण क्षेत्रों में विकासात्मक कार्य योजना का संचालन तथा यहां के नागरिकों के असुविधा को मद्देनजर रखते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुदूरवर्ती क्षेत्र के गांवों के लिए यातायात सुविधा, स्वास्थ्य सुविधा, पेयजल सुविधा आदि की सुलभता के लिए जिला प्रशासन लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में व्याप्त नेटवर्क की समस्या को दूर करने के लिए भी सतत कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही दुर्गम क्षेत्र में अवस्थित गांव को सड़क मार्ग के माध्यम से जोड़ने का कार्य भी संचालित है। आमजनों को संबोधित करते हुए मनोहरपुर विधायक ने कहा कि प्रशासन आपके द्वार के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में सभी विभागों के द्वारा अपने-अपने स्टाल लगाए गए हैं, जहां क्षेत्र की समस्याओं से संबंधित कार्यों का निष्पादन सूनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र के लोगों के लिए प्रखंड कार्यालय या जिला मुख्यालय पहुंचाना दुर्गम है, वैसे क्षेत्र में सरकार आपके गांव आएगी और आपकी समस्याओं के निष्पादन के लिए कार्य करेगी। क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक है कि सभी ग्रामीण संगठित रहें, यदि क्षेत्र का कोई व्यक्ति पीछे छूट रहा है तो उन्हें भी हम सबों को मिलकर आगे लाना होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सुदूरवर्ती क्षेत्र में विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन पिछले 5 दिनों से इस क्षेत्र के विभिन्न प्रखंड, पंचायत, गांव का दौरा कर आम लोगों संग संवाद स्थापित कर रहे हैं, इसके अलावे रात्रि चौपाल आदि के माध्यम से यहां की समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। जिला प्रशासन का प्रयास है कि राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक गांव के निवासियों को प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में नेटवर्क की उपलब्धता से संबंधित कार्य योजना भी तैयार की गई है, ताकि दुर्गम क्षेत्र के प्रत्येक आंगनबाड़ी, विद्यालय, पंचायत भवन, प्रखंड-अंचल कार्यालय में नेटवर्क की सुविधा बहाल हो तथा योजनाओं का लाभ तेजी से आमजन तक पहुंच सके। उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में योजनाओं के क्रियान्वन में स्थानीय मानकी-मुंडा, मुखिया व जनप्रतिनिधियों का अहम रोल होता है। इसके लिए जिला प्रशासन के द्वारा निर्देश जारी किया गया है कि अनुमंडल पदाधिकारी प्रत्येक माह अनुमंडल क्षेत्र के उपरोक्त जनों के साथ बैठक आयोजित करेंगे, जिससे समय रहते ही समस्या का समाधान हो जाए।

क्रिसमस कार्निवल सह मिलन समारोह का आयोजन

मांडर : मांडर पल्ली में क्रिसमस कार्निवल सह मिलन समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत और मांडर भिखारिएट के ब्राम्बे, खलारी, मखमंदरो, मकुंदा, नवाटांड़ सिदरौल सहित अन्य पल्लियों के ख्रीस्त समुदाय के लोग शामिल हुए। ख्रीस्तीय व्यवसाय सामिति मांडर की ओर आयोजित इस समारोह में मुख्य अनुष्ठाता धर्माध्यक्ष विन्सेंट आइंद ने समारोही मिस्सा अनुष्ठान संपन्न कराया। इस दौरान आकर्षक झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली गई जो मांडर पल्ली से शुरू होकर एनएच 75 से होते हुए टांगर बसलीमोड़ जाकर लौटी। टांगरबसली मोड़ में सड़क पर पल्ली पुरोहित प्रसन्न तिर्की ने मांडर सीओ चंचला कुमारी, थाना प्रभारी राहुल, प्रखंड प्रमुख फिलिप सहाय एक्का और अन्य लोगों के साथ केक काटा और एक-दूसरे को क्रिसमस की बधाई दी। इस दौरान पल्ली परिसर में स्थित संत जेवियर्स स्कूल मैदान में क्रिसमस पर आधारित गीत संगीत प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाली टीम को पुरस्कृत किया गया। मौके पर फादर नीलम तिडू, फादर जॉन शैलेन्द्र टोप्पो, फादर अनुज सोरेन, फादर अल्बर्ट लकड़ा, फादर एडविन मिंज, फादर जॉर्ज, फादर सिजो सहित कैथोलिक युवा संघ के पितरूस खलखो, महिला संघ की कार्मेला बारबरा, रोशन इमानुवेल तिग्गा, प्रेमचंद एक्का आदि मौजूद थे।

विरोध कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना न्याय की उम्मीद पर प्रहारः एस अली

रांची : छात्र नेता एस अली ने आज जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के विरोध में आंदोलनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज की निंदा की है। अली ने कहा कि सरकार और पुलिस को शांतिपूर्ण आंदोलन का अवसर छात्रों को देनी चाहिए घटना निंदनीय और शर्मनाक अगर छात्रों पर एफआईआर हुए है तो वापस लिया जाना चाहिए। सीजीएल का मामला हाईकोर्ट में है और सुनवाई होनी है तो फिर झारखंड कर्मचारी चयन आयोग को जल्दबाजी में रिजल्ट जारी करने कि जरूरत क्यों पड़ गई।

विधानसभा सत्र के दौरान सीजीएल परीक्षा परिणाम के खिलाफ विधायक का धरने और सदन में आवाज उठाने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी द्वारा सीआईडी जांच का आदेश दिया गया। इधर झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सीआईडी जांच को दरकिनार कर अभियार्थियों को सर्टिफिकेट जांच के लिए बुलाना समझ से परे है। कम से कम सीआईडी जांच रिपोर्ट तो आने दिए होते। ऐसा लगता है कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग फंसने के डर से और पैसे पैरवी वालों को लाभ पहुंचाने के लिए तो जल्दबाजी तो नही दिखा रहा है।

स्वस्थ माता और स्वस्थ बच्चे के लिए टीकाकरण आवश्यक :उपायुक्त

स्वस्थ माता और स्वस्थ बच्चे के लिए टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करना चाहिए। सभी स्वास्थ्य केंद्र में नियमित रूप से टीकाकरण अभियान चलाया जाना चाहिए और उसका जमीनी स्तर पर उत्तम निष्पादन करना चाहिए।

उपरोक्त बातें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन के 14 वैलेंट की शुरुआत के लिए आयोजित एक समारोह में कहीं।

उन्होंने कहा कि किसी भी टीकाकरण कार्यक्रम में एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए। इसके लिए स्वास्थ्य कर्मियों को कड़ी मेहनत करनी होगी। लोगों के बीच जागरूकता लाकर बच्चों और उनकी माता को टीकाकरण के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक लाना होगा।

माता एवं बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए उन्हें कुपोषण उपचार केंद्र (एम.टी.सी.) में लाकर कुपोषण से मुक्त करना होगा।

बैठक में उपायुक्त ने नियमित टीकाकरण, टीकाकरण से रोके जाने वाली बीमारियां, टीकाकरण के बाद के प्रतिकूल प्रभाव (ए.ई.एफ.आइ.) सहित अन्य बिंदुओं की समीक्षा की।

इस अवसर पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के एसएमओ डॉ अमित कुमार ने बताया कि नवंबर 2024 तक टीकाकरण में धनबाद जिले की उपलब्धि लगभग 96% है। जबकि हेपेटाइटिस बी में 94% रही।

उन्होंने टीकाकरण के बाद के प्रतिकूल प्रभाव, रिपोर्टिंग करने की पद्धति, ग्लोबल वैक्सीन एक्शन प्लान, ए.ई.एफ.आइ. के लिए क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम सहित अन्य विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन के 14 वैलेंट का टिका लगाकर इसका शुभारंभ किया गया।

साथ ही ए.ई.एफ.आइ. सर्विलांस एंड रिस्पांस नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

समारोह में उपायुक्त माधवी मिश्रा, उत्तरी छोटानागपुर के क्षेत्रीय उप निदेशक डॉ सिद्धार्थ सनयाल, सिविल सर्जन डॉक्टर चंद्रभानु प्रतापन, डीआरसीएचओ डॉ रोहित गौतम, डॉ रवि रंजन झा, डॉ सुनिल कुमार के अलावा बाघमारा, बलियापुर, धनबाद सदर, गोविंदपुर, झरिया, निरसा, तोपचांची, टुंडी के एमओआईसी तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मी मौजूद रहेगें।

न्यायाधीश के साथ उपायुक्त, एसएसपी ने किया धनबाद मंडल कारा का निरीक्षण

पांच बुजुर्ग बंदी हुए चिन्हितझारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) वीरेंद्र कुमार तिवारी, उपायुक्त सह उपाध्यक्ष डालसा माधवी मिश्रा, एसएसपी सह सदस्य डालसा हृदीप पी जनार्दनन, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा राकेश रोशन, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी हेमंत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता सह प्रभारी जेल अधीक्षक विनोद कुमार, सिटी एसपी श्री अजीत कुमार, डीएसपी विधि व्यवस्था श्री नौशाद आलम व एलएडीसीएस की टीम ने सोमवार की संध्या मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया।

निरक्षण के दौरान टीम ने पांच ऐसे बंदियों को चिह्नित किया, जिनकी उम्र 70 वर्ष है। वहीं दो ऐसे बंदी भी मिले जिन्हें गंभीर बीमारी है।

न्यायाधीश श्री तिवारी के नेतृत्व में टीम ने कारागार के हर हिस्से का मुआयना किया। न्यायाधीश ने चिह्नित किए गए बंदियों को मुक्त कराने के लिए समुचित कार्रवाई का निर्देश दिया।

इसके बाद टीम ने बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली। कारागार अस्पताल में निरुद्ध बीमार बंदियों के बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च स्वास्थ्य सेंटर भेजने का निर्देश मंडल कारा चिकित्सक को दिया।

वहीं टीम ने चिकित्सा सुविधा, पुस्तकालय, रसोई घर, वहां तैयार हो रहे भोजन, व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्र तथा ध्यान-सह-योग केंद्र में सुविधाओं का जायजा लिया।

उन्होंने बंदियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा।

न्यायाधीश ने बंदियों को जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आदेश जेल प्रशासन को दिया।

इस मौके पर मंडल कारा के चिकित्सक डॉ राजीव कुमार सिंह, एलएडीसीएस चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल शैलेन्द्र झा, सुमन पाठक, नीरज गोयल, कन्हैया लाल ठाकुर, स्वाति, मुस्कान, सिविल कोर्ट के सहायक अरुण कुमार, राजेश सिंह, संतोष कुमार सहित मंडल कारा के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

एन.एस.यू.आई ने रांची यूनिवर्सिटी समेत राज्य के चार विश्वविद्यालयों में सीनेट और सिंडिकेट के सदस्यों का गठन करने की मांग को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

कांग्रेस छात्र संगठन एन.एस.यू.आई की राष्ट्रीय संयोजक आरुषी वंदना के नेतृव में एन.एस.यू.आई प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव कमलेश महतो जी को रांची यूनिवर्सिटी समेत राज्य के चार विश्वविद्यालयों में सीनेट और सिंडिकेट के सदस्यों का गठन करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। विदित हो कि कई वर्षों से सीनेट और सिंडिकेट के सदस्यों का गठन नही हुवा है। महागठबंधन की सरकार होने के बाद एन.एस.यू.आई के लोगों को एक उम्मीद है कि इस सरकार में उन्हें जगज मिलेगी और छात्रों के मुद्दों को उठा कर उसका निवारण करंगे। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष केशव जी ने कहा कि एन.एस.यू.आई कांग्रेस पार्टी की रीढ़ है। वो पूरा प्रयास करंगे की एन.एस.यू.आई के लोगो को आगे आने का मौका मिले और सीनेट सिंडिकेट में जगह मिले। मौके पर राष्ट्रीय संयोजक आरुषी वंदना, प्रदेश अध्यक्ष विनय ओरांव, एव प्रदेश के तमाम पदाधिकारी गण मजूद थे।

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ की वर्चुअल बैठक संपन्न

झारखंड न्यूजलाइन। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ की वर्चुअल बैठक संघ के केंद्रीय अध्यक्ष श्री अजय राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में राज्य के सभी एरिया बोर्ड ट्रांसमिशन जोन के सैकड़ों प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में प्रतिनिधियों ने पिछली सरकार के दौरान हुए आंदोलन एवं संगठन की गतिविधियों के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की। साथ ही, ऊर्जा निगम के वरीय पदाधिकारी के साथ 3 अक्टूबर को हुए श्रमिक संघ के समझौता वार्ता पर भी चर्चा हुई।

भक्ति जागरण कार्यक्रम के आयोजन से मानसिक विकार दूर होता है : ममता देवी

झारखंड न्यूजलाइन। **रजरप्पा** चितरपुर प्रखंड के बड़कीपोना पंचायत अंतर्गत पोना पर्वत धाम (बघलता) में गीता जयंती के अवसर पर पांच दिवसीय श्री गीता ज्ञान यज्ञ के समापन के अवसर पर रात्रि में भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन मौजूद विधायक ममता देवी एवं विशिष्ट अथिति कांग्रेस नेता बजरंग महतो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. मौके पर विधायक ने कहा कि भव्य देवी जागरण का आयोजन बहुत बड़ी बात है।

पुलिस द्वारा पिटाई एवं घसीट कर ले जाना एवं विरोध कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करना लोकतांत्रिक व्यवस्था में शुभ संकेत नहीं

रांची। उपरोक्त बाते आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने आज जेएससीए सीजीएल- परीक्षा में पास छात्रों के डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन नहीं होने देने का विरोध करने जेएससीए कार्यालय पर विरोध करने पहुँचे छात्रो पर लाठीचार्ज करना एंव छात्र नेता देवेन्द्र को पुलीस द्वारा अमानवीय तरीके से घसीट कर गिरफ्तारी करने पर अपनी प्रतिक्रिया मे कही । इन्होने आगे कहा कि बराबर चाहे भारतीय जनता पार्टी की सरकार हो या जेएमएम की सरकार लोकतांत्रिक शांतिपूर्ण विरोध करने पर लाठीचार्ज करना अनिवार्य हो गया है जो लोकतंत्र के लिए घातक है । विजय नायक ने आगे कहा कि एक जनप्रतिनिधि को एंव आन्दोलन रत छात्रो को बर्बर तरिके से इस तरह पुलिसीया कारवाई करना पुलिस को शोभा नही देता है जिसका मंच कड़े शब्दो मे इसकी निन्दा करता है और हेमंत सरकार से मांग करता है कि बदमिजाज पुलिस जाय तो जेपीएससी घोटाले के दौरान बाबूलाल मरांडी की ही सरकार थी और बाबु लाल मरांडी द्वारा लगाये गये भ्रष्टाचार रुपी बीज विशाल कायम पेड़ बन चुका है इसलिए बाबूलाल मरांडी को जेएसएससी-सीजीएल या जेपीएससी पर बोलने का नैतिक अधिकार नही है । भाजपा के कार्यकाल मे सबसे ज्यादा मेघा घोटाले हुए अब उस पारीपाटी को हेमन्त सोरेन सरकार बड़ा रही है ।24 वर्ष के झारखंड मे झारखंड के युवाओ को सभी पार्टीयो की सरकारो ने धोखा देने का कार्य किया है ।किसी भी सरकारो ने राज्य के युवाओ के भावनाओ का सम्मान नही किया है ।जो राज्य निर्माण के समय देखे गये सपनो को तोड़ता है ।

समर्पण एक नेक पहल संस्था के पहल पर जरूरतमंद मरीज को 2 यूनिट रक्त उपलब्ध कराई गई

बोकारो मेडिकल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में इलाज रथ 32 वर्षीय मरिज अफजल अनवर के शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा अत्यंत कम हो जाने के कारण डॉक्टर ने तत्काल 2 यूनिट ओ पॉजिटिव रक्त की व्यवस्था करने के लिए मरीज के परिजन से कहा परिजन में से एक व्यक्ति शकील अंसारी ने रक्तदान किया परंतु दूसरा यूनिट रक्त नहीं मिल पा रहा था इसके पश्चात मरीज के परिजन ने सामाजिक संस्था समर्पण एक नेक पहल के सक्रिय सदस्य सुजीत मोदी के संपर्क कर रक्त उपलब्ध कराने का आग्रह किया इसके पश्चात श्री मोदी जी ने संस्था के संस्थापक का केंद्रीय अध्यक्ष दिपेश चौहान से सम्पर्क कर सूचित करते हुए रक्त उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया इसके कुछ ही देर बाद बोकारो के केएम मेमोरीयल ब्लड बैंक के इंचार्ज अमर झा ने संज्ञान में लेते हुए ब्लड से दूसरी यूनिट रक्त उपलब्ध कराया 1

रक्त मिलने के पश्चात मरीज के परिजन ने सभी का धन्यवाद किया 1

कपकपाती ठंड में ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स का कंबल वितरण

धनबाद- कपकपाती ठंड में ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष गौतम कुमार मंडल ने सरायढेला थाना मोड़ में रात को रोड किनारे खुले आसमान के नीचे कपकपाती ठंड में बैठ कर भीख माँग रही पैर कटी लाचार महिला को कंबल देकर ठंड में राहत पहुँचाने का कोशिश किया ।

गौतम कुमार मंडल ने कहा ह्यूमैनिटी टीम का कंबल वितरण रात को रोड पर लाचार हालत में बैठे या इधर उधर घूम रहे मंद बुद्धि लाचार लोगो को ठंड से राहत पहुँचाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है।

जहाँ मोके पर ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष गौतम कुमार मंडल, राजीव कुमार, फ़िरोज़, राजू एवं अन्य मौजूद थे।

सरस्वती विद्या मंदिर में मनाया गया विजय दिवस

रजरप्पा रजरप्पा कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में विजय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रभारी मिथिलेश कुमार खन्ना के द्वारा भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। बच्चों को 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारतीय सैनिकों के ऐतिहासिक विजय की गौरव गाथा सुनाया गया। कार्यक्रम में आचार्य बच्चूलाल तिवारी भरतीय सैनिकों की वीरता, शौर्य एवं पराक्रम का उल्लेख करते हुए बतलाया कि किस प्रकार हमारे वीर सैनिकों ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सैनिकों को घुटने टेकने को मजबूर कर दिया था लगभग 93 हजार पाकिस्तानी सैनिक हमारे भारतीय सैनिकों के समक्ष आत्मसमर्पण किए थे। प्रभारी मिथिलेश कुमार खन्ना ने कहा कि 16 दिसंबर की तिथि हमारे इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षर में अंकित है और रहेगा। विजय दिवस पर अपने देश के सैनिकों की अदम्य वीरता एवं त्याग से प्रेरणा लेकर अपनी मातृभूमि की सेवा करने एवं सैनिकों का सम्मान करने की उन्होंने सीख दी। बच्चों ने भी भाषण एवं देशभक्ति गीतों तथा कविता के माध्यम से वीर सैनिकों के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। इसमें हर्ष कुमार, रामदुलारी, अराध्या, वैष्णवी,परिणीति,आँचल,दिव्या,निवेदिता,अनुष्का,अराध्या,इशिका, प्रियंका,रीत,ओम,मंजीत,अंकित, प्रीतम,मधुरेश गुप्ता की प्रमुख भूमिका रही। मंच संचालन बहन वर्षा कुमारी एवं आदित्य पाठक ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित आचार्य अनिल कुमार,अमरदीपनाथ शाहदेव,रेखा पाठक,डॉ गायत्री पाठक,भुनेश्वर कुमार,राकेश कुमार सहाय,इंद्रजीत सिंह,गौतम कुमार,शम्मी राज,अनूप झा,सत्येंद्र मिश्रा,ज्योति राजहंस,रिंकी कुमारी,अंजली कुमारी,श्वेता पांडा,रानी कुमारी एवं शशि कान्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हाड़ कंपा देने वाली ठंड में गुरु नानक सेवक जत्था के सदस्यों द्वारा देर रात कंबल वितरण

गुरु नानक सेवक जत्था के सदस्यों ने देर रात कंबल वितरण कर जरूरतमंदों को हाड़ कंपा देने वाली ठंड के बीच कंबल उपलब्ध कराया.जत्था के सदस्यों ने देर रात शहर के विभिन्न इलाकों में घूम-घूम कर जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया. गुरु नानक सेवक जत्था के सदस्यों ने कल रात बारह बजे से मध्य रात्रि ढाई बजे तक शहर के बरियातू स्थित रिम्स, मेन रोड स्थित सदर अस्पताल एवं रांची रेलवे स्टेशन पहुंच कर जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया. जत्था के सदस्य कल रात बारह बजे कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा साहिब से कंबल लेकर रांची के विभिन्न इलाकों में पहुंचे एवं फर्श पर ठंड से ठिठुर रहे गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को स्वयं अपने हाथों से कंबल ओढ़ाया.जत्था के सूरज झंडई एवं पीयूष मिढ़ा ने बताया कि इस हाड़ कंपा देने वाली ठंड में कंबल पाकर जरूरतमंदों ने राहत महसूस की. जत्था के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि जत्था द्वारा अत्यधिक ठंड होने पर यह सेवा विगत कई वर्षों से अनवरत की जाती रही है और यह कंबल वितरण का कार्यक्रम पूरे ठंड के मौसम में जारी रहेगा. जत्था के इस सेवा कार्यक्रम में सूरज झंडई,पीयूष मिढ़ा,वंश डावरा,जयंत मुंजाल,विनय खत्री,जतिन मिढ़ा, इनिश काठपाल, रॉनित मुंजाल, कशिश नागपाल,मनन कोहली,ऋषभ शर्मा,पीयूष तलेजा,प्रीत मिढ़ा,अमन चावला,हर्ष अरोड़ा,तनय काठपाल एवं वरुण गेरा शामिल थे.

कांग्रेस नेता हुसैन खान ने 'विजय दिवस' पर दी शहीदों को श्रद्धांजलि, किया बलिदान को नमन

आज विजय दिवस के अवसर पर, झारखंड प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक रांची महानगर के अध्यक्ष हुसैन खान ने 1971 के युद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत के लिए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री खान ने कहा कि मैं उन बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने 1971 के युद्ध के दौरान अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए भारत को जीत दिलाई। कृतज्ञ राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान को याद करता है, जिनकी कहानियां हर भारतीय को प्रेरित करती रहेंगी और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनी रहेंगी।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के रांची महानगर अध्यक्ष हुसैन खान ने आगे कहा कि 'आज विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं, जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया था। उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने हमारे राष्ट्र की रक्षा की और हमें गौरव दिलाया। यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अटल भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से अंकित रहेगा।'

श्री हुसैन खान ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि विजय दिवस, हर साल 16 दिसंबर को मनाया जाता है, जो 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की विजय की याद में होता है। इस युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश को स्वतंत्रता मिली, और भारत को एक प्रमुख क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित किया गया। 1971 का युद्ध 3 दिसंबर को शुरू हुआ था और 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना के कमांडर जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी ने औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण किया था, जिससे बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा हुई। यह दिन न केवल भारत की सैन्य बहादुरी और बलिदान को सम्मानित करता है, बल्कि भारत और बांग्लादेश दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक और दोस्ताना रिश्तों का प्रतीक भी है।

आज ही के दिन सेना के वीर जवानों ने दुश्मनों के हौसले को पस्त कर तिरंगे को शान से लहराया : लाडले खान

झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा नेता लाडले खान ने 'विजय दिवस' सेना के वीर जवानों के साहस, अटूट समर्पण और पराक्रम की पराकाष्ठा का प्रतीक है। 1971 में आज ही के दिन सेना के वीर जवानों ने न केवल दुश्मनों के हौसले पस्त कर तिरंगे को शान से लहराया, बल्कि मानवीय मूल्यों की रक्षा करते हुए विश्व मानचित्र पर एक ऐतिहासिक बदलाव किया। देश अनंत काल तक अपने रणबांकुरों के शौर्य पर गर्व करता रहेगा।'

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की काफी करीबी माने जाने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा आर्केस्ट्रा राज नेता लाडले खान विजय दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि, कि 'आज विजय दिवस के खास मौके पर देश भारत के सशस्त्र बलों की बहादुरी और बलिदान को सलाम करता है।

उनके अटूट साहस और देशभक्ति ने सुनिश्चित किया कि हमारा देश सुरक्षित रहे। भारत उनके बलिदान और सेवा को देश कभी नहीं भूलेगा, लाडले खान ने समस्त देशवासियों को विजय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुवे कहा कि वर्ष 1971 में आज ही के दिन भारतीय सैन्य बल के पराक्रम और साहस के सामने पाक सेना ने आत्मसमर्पण किया था। यह ऐतिहासिक दिवस हमारे वीर सैनिकों की निष्ठा और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक है।

शौर्य और बलिदान की अद्वितीय परंपरा का निर्वाह करने वाली भारतीय सेना पर प्रत्येक भारतवासी को गर्व है।' जेएमएम नेता लाडले ने उन पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि विजय दिवस, हर साल 16 दिसंबर को मनाया जाता है, जो 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की विजय की याद में होता है। इस युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश को स्वतंत्रता मिली, और भारत को एक प्रमुख क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित किया गया।

1971 का युद्ध 3 दिसंबर को शुरू हुआ था और 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना के कमांडर जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी ने औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण किया था, जिससे बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा हुई।

यह दिन न केवल भारत की सैन्य बहादुरी और बलिदान को सम्मानित करता है, बल्कि भारत और बांग्लादेश दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक और दोस्ताना रिश्तों का प्रतीक भी है।

राज परिवार से जुड़े जमीन कारोबारी मधुसूदन राय की हत्या मामले में एक होटल संचालक व तीन जमीन कारोबारी पर एफआईआर

- एक होटल संचालक व तीन जमीन कारोबारी पर नामजद एफआईआर
- फोन कर बुलाने वाले को पुलिस ने हिरासत में लिया... चल रही पूछताछ
- राय को दो गोली सिर में, तीन छाती में और तीन गोली कमर के नीचे लगी

नामकुम थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा जल्द होगा खुलासा झारखंड की राजधानी रांची के नामकुम में जमीन कारोबारी में मधुसूदन राय की हत्या के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई, घटनास्थल पर रांची जोन के आईजी अखिलेश झा, डीआईजी अनूप बिरथरे, पुलिस कप्तान चंदन कुमार सिन्हा, ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल, डीएसपी हेडक्वार्टर ऑफ़ अमर कुमार पांडे, नामकुम थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद समेत कई पुलिस करी मैंने घटनास्थल का जायजा लिया, नामकुम थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि हत्यारों की पहचान हो गई है कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है हम लोग बहुत जल्दी इस हत्याकांड का खुलासा कर देंगे, अगर तालाब है कि रविवार की दोपहर में नामकुम में रिंग रोड पर रविवार दोपहर जमीन कारोबारी लाल मधुसूदन राय उर्फ मधु राय (56) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना दोपहर 12:15 बजे हुई। हत्यारों ने उन्हें आठ गोलियां मारीं। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मधुसूदन राय राजाउलातू में राज परिवार से संबंध रखते थे। बेटे ने नामकुम थाने में चार लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई है। इसमें एक होटल संचालक और तीन जमीन कारोबारी हैं। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

उनीडीह निवासी मधुसूदन राय सुबह करीब 11:30 बजे अपने घर से पतराटोली स्थित बनारसी ढाबा (गढ़ा ढाबा) के लिए निकले थे। कवाली ओवरब्रिज के पास अपराधियों ने उन्हें घेर लिया। सामने से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। उनके सिर में दो, छाती में तीन और कमर के नीचे तीन गोलियां लगीं। परिजनों को दोपहर करीब एक बजे घटना की सूचना मिली तो वे मौके पर पहुंचे। काफी भीड़ जुटने के बाद पुलिस को घटना की जानकारी मिली। आईजी अखिलेश झा, ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल, डीएसपी मुख्यालय (प्रथम) अमर कुमार पांडेय, नामकुम थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद और टाटीसिलवे थाना प्रभारी मनोज कुमार पुलिस टीम के साथ पहुंचे। एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाया गया। पुलिस को घटनास्थल से कई खोखे भी मिले। पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ और जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भिजवा दिया। मधु राय के दो बेटे और एक बेटी है।

पहले की रेकी, हत्या के लिए ऐसी जगह चुनी, जहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं

स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि दो बाइक पर आए चार अपराधियों ने पीछा कर मधु राय को गोली मारी। पुलिस को आशंका है कि हत्यारों ने पहले उनकी रेकी की थी। क्योंकि हत्या के लिए ऐसी जगह चुनी गई, जहां न कोई सीसीटीवी कैमरा है और न ही ज्यादा लोग यहां से गुजरते हैं। गोली लगने के बाद वे जिस तरह स्कूटी के साथ गिरे हुए थे, उसे देखकर लगता है कि उन्हें चलती स्कूटी पर गोली मारी गई होगी। इस घटना के बाद वहां से गुजरने वाले वाहन चालक भी डरे हुए हैं।

यह तीसरा हमला, पहले प|ि की मौत, दूसरे में लगी गोली हाथ में अटकी थी

मधु राय पर पहले भी दो बार हमले हो चुके थे। पहली बार 2007 में राजा उलातू में उनपर हमला किया गया था। लेकिन, प|ि को गोली लग गई और उनकी मौत हो गई। दूसरी बार 2016 में फिर राजा उलातू में ही उन पर गोली चलाई गई। उनके हाथ में गोली लगी थी, जो अभी भी हाथ में ही अटकी थी। पुलिस को छानबीन में पता चला है कि पहले उनपर गोलीबारी करने के आरोपियों को सजा होने वाली है। आशंका है कि कहीं उन्हीं आरोपियों ने तो हत्या की साजिश नहीं रची।

बंद होटल चालू कराने के लिए बैठक करने स्कूटी से गढ़ा ढाबा जा रहे थे

मधु राय के बेटे लाल विजय राय ने कहा-मेरे छोटे भाई के मोबाइल पर फोन आया था, जिसे पिता ने रिसीव किया। बात करने के बाद वे गढ़ा ढाबा जाने की बात कहकर घर से निकले। वे स्कूटी से रिंगरोड होकर पतराटोली जा रहे थे। उधर, पुलिस को जांच में पता चला है कि वहां एक होटल काफी दिन से बंद पड़ा था। कुछ लोग इसे फिर से शुरू करने का प्रयास कर रहे थे्। इसी सिलसिले में गढ़ा ढाबा में बैठक होने वाली थी। लेकिन इससे पहले ही उनकी हत्या कर दी गई। नामकुम थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि सभी बिंदुओं पर हम लोग जांच कर रहे है।

क्रिसमस मैजिक ड्रेस लाइक सांता क्लॉस और पेंटिंग प्रतियोगिता

क्रिसमस मैजिक ड्रेस लाइक सांता क्लॉस और पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने बिखेरा कला का जादू आईफा इंटरनेशनल, रांचीस्थित आईफा इंटरनेशनल स्कूल में 15 दिसंबर को क्रिसमस मैजिक ड्रेस लाइक सांता क्लॉस और पेंटिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने सांता क्लॉज, और क्रिसमस थीम पर आधारित विभिन्न रंग-बिरंगे वेशभूषा पहनकर मंच पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। उनकी मासूमियत और अदाओं ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

वहीं, पेंटिंग प्रतियोगिता में छात्रों ने क्रिसमस के त्योहार, परिवार, और उत्सव की खुशी को अपनी कल्पना और रंगों के जरिए जीवंत कर दिया। उनके द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स ने न केवल उनके हुनर को उजागर किया, बल्कि क्रिसमस की सच्ची भावना का संदेश भी दिया।

आईफा इंटरनेशनल के डायरेक्टर मोहम्मद साबिर हुसैन ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए और बच्चों के उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा, "इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों की रचनात्मकता को निखारने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करती हैं।"

आईफा इंटरनेशनल की उपनिदेशक शगुफ्ता बानो ने सभी बच्चों और उनके अभिभावकों को धन्यवाद दिया और कहा कि, "ऐसे आयोजनों से बच्चों को अपनी छुपी हुई प्रतिभा को दिखाने का मौका मिलता है।"

कार्यक्रम का समापन सांता क्लॉज द्वारा बच्चों को तोहफे और मिठाइयां बांटने के साथ हुआ। पूरे परिसर में क्रिसमस का उल्लास और जादू महसूस हो रहा था। पेंटिंग में विजेताओं के नाम इस प्रकार है। जूनियर ग्रुप में प्रथम पुरस्कार आयत आलम को मिला द्वितीय पुरस्कार अफान तथा तृतीय पुरस्कार हरियाणा मेहता आपको मिला सीनरी ग्रुप में प्रथम पुरस्कार रौनक दत्ता द्वितीय पुरस्कार अलीशा तथा तृतीय पुरस्कार शर्मिष्ठा लोहार को मिला। ड्रेस में प्रथम पुरस्कार हमार अब्दुल्ला, हूमरा तथा आईना को मिला। आयशा शिफा तथा मिस्कत को सीनियर ग्रुप के ड्रेस कंपटीशन में प्राइज मिला। निर्णायक मंडली में रेहान अख्तर, शगुफ्ता बानो,तथा अली अब्बास थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आलिया उबेद, अल्मा हसन तथा हुमायूं कबीर का साथ रहा।

सुकरीगढ़ा में रामलीला का मंचन किया जा रहा है

रजरप्पा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से आएं कलाकारों द्वारा सुकरीगढ़ा पंचायत स्थित दुर्गा मंडप परिसर में शाम को रामलीला का मंचन किया जा रहा है। जिसे देखने सुकरीगढ़ा तथा आसपास के ग्रामीण पहुंच रहे हैं। इस दौरान कलाकारों ने श्रीराम के जीवन पर आधारित सभी पहलुओं को नाटक के माध्यम से दर्शाया। रामलीला देखने वाले ग्रामीणों ने बताया कि इसे देखने से हमलोगों को प्रेरणा मिलती है। मौके पर धर्मप्रेमी गणेश प्रसाद स्वर्णकार, बलराम प्रसाद, नारायण साव, रेशम लाल, वकिल साहब, रामलाल रजक, राम पूजन प्रसाद, रोहित प्रसाद एवं सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे.

फिरोज अली स्कूटी से स्कूली छात्राओं को करता था टारगेट, कोतवाली थाना प्रभारी रंजीत कुमार ने खेला '10 वाला दांव' तो पकड़ा गया फिरोज

गिरफ्तार आरोपी फिरोज अली हिंदपीढ़ी नाला रोड गली नंबर सात का रहने वाला है। आरोपी फिरोज एसी रिपेयरिंग का काम करता है। उसके तीन बच्चे भी हैं। गौरतलब हो कि आरोपी फिरोज अली स्कूली छात्राओं के साथ छेड़खानी किया करता था। कोतवाली थाने में केस दर्ज किया गया है। आरोपी के भाई इसरार ने बताया कि उनका कसूर इतना था कि वह आरोपी का भाई है। इसकी सजा पुलिस ने उन्हें दिया। उसे थाना ले जाकर उसकी बेहरमी से पिटाई की। इस दौरान वह बेहोश हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसरार ने बताया कि जब जुर्म उसने नहीं किया तो फिर उसकी सजा पुलिस वाले ने उन्हें क्यों दी। पुलिस उसके भाई को गिरफ्तार कर जेल भेजे। पुलिस का वे लोग भी सहयोग करेंगे।

झारखंड की राजधानी रांची के अपर बाजार में स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपी फिरोज अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फिरोज पर 10000 रुपये का इनाम घोषित था। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई थी, जिसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पुलिस ने आरोपी की पहचान हिंदपीढ़ी निवासी फिरोज अली के रूप में की थी। अपर बाजार के सोनार गली में स्कूटी सवार फिरोज अली स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ कर रहा था। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। इसके बाद कोतवाली थाने में मामला दर्ज किया गया। रांची रेंज के आईजी अखिलेश झा, एसएसपी चंदन सिन्हा और एसपी राजकुमार मेहता ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

झारखंड के रांची के अपर बाजार में स्थित कन्या पाठशाला की छात्राओं से छेड़खानी के मामले के आरोपी फिरोज अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने रविवार की शाम लोअर बाजार थाने में खुद को सरेंडर किया है। पूछताछ में उसने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार किया है। उसने कहा है कि जीवन की यह सबसे बड़ी गलती थी। अब ऐसी गलती वह कभी नहीं करेगा। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी फिरोज अली हिंदपीढ़ी नाला रोड गली नंबर सात का रहने वाला है। आरोपी फिरोज एसी रिपेयरिंग का काम करता है। उसके तीन बच्चे भी हैं। गौरतलब हो कि आरोपी फिरोज अली स्कूली छात्राओं के साथ छेड़खानी किया करता था। कोतवाली थाने में केस दर्ज किया गया है। आरोपी के भाई इसरार ने बताया कि उनका कसूर इतना था कि वह आरोपी का भाई है। इसकी सजा पुलिस ने उन्हें दिया। उसे थाना ले जाकर उसकी बेहरमी से पिटाई की। इस दौरान वह बेहोश हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसरार ने बताया कि जब जुर्म उसने नहीं किया तो फिर उसकी सजा पुलिस वाले ने उन्हें क्यों दी। पुलिस उसके भाई को गिरफ्तार कर जेल भेजे। पुलिस का वे लोग भी सहयोग करेंगे। रांची में छात्राओं को छेड़ने वाला फिरोज गिरफ्तार, मां बोली- बेटे की हरकत ने घर उजाड़ दिया झारखंड के रांची के अपर बाजार में स्थित कन्या पाठशाला की छात्राओं से छेड़खानी के मामले के आरोपी फिरोज अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने रविवार की शाम लोअर बाजार थाने में खुद को सरेंडर किया है।

फिरोज ने पूछताछ में उसने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार किया है। उसने कहा है कि जीवन की यह सबसे बड़ी गलती थी। अब ऐसी गलती वह कभी नहीं करेगा। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के नाम फेक फेसबुक प्रोफ़ाइल बना साइबर ठगी का प्रयास,राँची पुलिस ने लिया संज्ञान

साइबर क्राइम के लिए साइबर ठगों द्वारा नित्य नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं।अब तक आईएस,आईपीएस या अन्य नामचीन हस्तियों के नाम फेसबुक-व्हाट्सएप प्रोफ़ाइल बनाकर साइबर ठगी का मामला सामने आते रहा है।साइबर ठगों ने अब सीधे देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू के नाम फेसबुक आईडी बनाकर ठगी का काम चालू कर दिया है।ऐसा ही एक मामला सामने आया है।हज़ारीबाग़ के बड़कागांव निवासी फेसबुक यूजर मंटु सोनी को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के नाम कुछ दिन पहले फ्रेंड रिक्वेस्ट आया।राष्ट्रपति के नाम-फोटो लगे फेसबुक आईडी में के स्टोरी में लिखा गया कि "जय हिंद कैसे हैं आप ? फेसबुक का प्रयोग बहुत कम करती हूं।अपना व्हाट्सएप नम्बर दीजिए " जिसके बाद यूजर मंटु सोनी ने अपना नम्बर लिखा,कुछ घंटे बाद फेसबुक मैसेंजर में यह लिखा मैसेज आया "हमने आपका नम्बर सेव कर लिया है और आपको अपना व्हाट्सएप कोड भेजा है,जो आपके व्हाट्सएप के अंदर गया है जल्दी से कोड बताइए 6 अंक का कोड है।" जिसके बाद राष्ट्रपति भवन,झारखण्ड पुलिस और राँची पुलिस के साथ सीआईडी झारखण्ड़ को मामले को लेकर ट्वीट किया गया।राँची पुलिस ने त्वरित संज्ञान लेते हुए फेसबुक-पोस्ट का आईडी लिंक का मांग किया, जिसे उपलब्ध करा दिया गया है।अब आगे की कार्रवाई राँची पुलिस करेगी।

हिण्डाल्को में लंगर का आयोजन

मुरी -हिण्डालको में रविवार को गुरु नानकदेव जी महाराज के प्रकाश पर्व को लेकर दोपहर से लंगर का आयोजन किया गया। सैकड़ों लोगों ने लंगर ग्रहण किया। इससे पहले सुबह से कीर्तन और पाठ कार्यक्रम चलता रहा। स्वयं हिण्डाल्को एच आर हेड अरूण राय लंगर में हिस्सा लेते हुए रोटी ,दाल, हलवा,छोला सबको दिया और कहा कि मुरी में सभी धर्म के लोग एक दूसरे के पर्व को सम्मान देते हुए शामिल होते हैं।ये काफी अच्छा लगने वाली बात है।

जितने पैसे आपने पनीर मखनी पे खर्च किया है उतने में हमारे यूनिवर्सिटी में MA हो जाती है

यूट्यूब पर चैनल खोल कर लोग खूब कमा रहे हैं। खूब कमाने वाले खूब खर्च भी कर रहे हैं। वह इसकी शेखी सोशल मीडिया पर भी बघारते रहते हैं। इस तरह की शेखी बघारना कभी-कभी उल्टा पड़ जाता है। ऐसा ही कुछ यूट्यूबर ईशान शर्मा के साथ भी हुआ। उनके एक पोस्ट पर सोशल मीडिया पर तरह तरह की प्रतिक्रिया मिल रही है।

नई दिल्ली: भारत की सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले महानगर बेंगलुरु का एक यूट्यूबर है ईशान शर्मा। पिछले दिनों उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पूर्ववर्ती ट्वीटर, अब X पर एक रेस्टोरेंट की इस नीति की प्रशंसा की कि वहां ग्राहक से सेवा शुल्क नहीं लिया जाता है। लेकिन, उसने जो खाने का बिल शेयर किया, उसने इंटरनेट पर सबका ध्यान खींचा। **क्या है वाकया** स्टार्टअप संस्थापक और एंट्रपेन्योर ईशान शर्मा ने एक रेस्टोरेंट में भोजन का आनंद लेने के बाद मिले खाने के बिल की तस्वीर पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने रेस्टोरेंट की कीमत निर्धारण मॉडल की प्रशंसा की। उन्होंने पांच फूड आइटम के बिल का फोटो पोस्ट करते हुए लिखा "रेस्तरां, ध्यान दें!" इस शाकाहारी भोजन में पनीर खुरचन, दाल बुखारा, पनीर मखनी के साथ खस्ता रोटी और पुदीना परांठा शामिल था। इन पांच फूड आइटम्स का बिल 10,030 आया था। बड़ी राशि के नीचे, रसीद पर लिखा था: "हम कोई सेवा शुल्क नहीं लेते।" शर्मा ने रेस्टोरेंट के इस कदम की प्रशंसा की।

लोगों को पसंद नहीं आई प्रशंसा ईशान की प्रशंसा X के अधिकांश लोगों को पसंद नहीं आई। अधिकतर लोग भोजन के लिए खर्च की गई बड़ी राशि देखकर हैरान थे। कई उपयोगकर्ता इस बात से हैरान थे कि उसने एक विशिष्ट उत्तर भारतीय भोजन के लिए इतनी अधिक कीमत चुकाई। एक यूजर ने बताया, "पनीर मखनी के लिए 2900, तीन परांठे के लिए 1125 और एक रोटी के लिए 400।" सुंदरदीप नाम के यूजर @volklub ने लिखा, "जितने पैसे आपने पनीर मखनी के पे किए हैं उतने में दरभंगा विश्वविद्यालय में एमए हो जाती है।" कई अन्य लोगों ने इस भावना से सहमति जताते हुए तर्क दिया कि 10,000 वह राशि है जो अधिकांश लोग सप्ताहांत की छुट्टी या बड़ी खरीदारी पर खर्च करेंगे। एक यूजर ने इसके बजाय अच्छी गुणवत्ता वाले ईयरफोन की एक जोड़ी खरीदने का सुझाव दिया।

मुकेश अंबानी की रिलायंस ने दो इंटरनेशनल ब्रांड्स से किया किनारा

रिलायंस ब्रांड्स ने दुनिया के कई जानेमाने ब्रांड्स को भारत में लॉन्च किया है। लेकिन इनमें से दो ब्रांड्स के साथ कंपनी ने पार्टनरशिप खत्म कर दी है। कंपनी उनकी जगह अपने दूसरे इंटरनेशनल लेबल ला रही है।

नई दिल्ली: भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ब्रांड्स ने दो इंटरनेशनल ब्रांड्स से पल्ला झाड़ लिया है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी ने इतालवी डेनिम ब्रांड Replay और डच क्लोदिंग ब्रांड G-Star RAW के साथ अपनी पार्टनरशिप खत्म कर दी है। इसकी वजह यह है कि इन ग्लोबल ऐपेरल ब्रांड्स की देश में कम डिमांड है। मामले से जुड़े दो अधिकारियों ने बताया कि रिलायंस ने इन ब्रांड्स के स्टोर बंद करना शुरू कर दिया है। कंपनी उनकी जगह अपने दूसरे इंटरनेशनल लेबल ला रही है। एक अधिकारी ने बताया कि G-Star RAW के ज्यादातर स्टोर बंद हो चुके हैं, लेकिन ऑनलाइन मार्केटप्लेस के जरिए उनकी मौजूदगी है। रिलायंस जल्द ही Replay स्टोर बंद कर देगी, क्योंकि उन्हें लगता है कि ये दोनों ब्रांड भारतीय बाजार में अपनी प्रासंगिकता खो रहे हैं। G-Star RAW भारत में अपने ब्रांड को वितरित करने के लिए किसी दूसरे रिटेलर के साथ पार्टनरशिप करने पर विचार कर सकता है। इस ब्रांड ने एक दशक पहले भारत में एंट्री करने के लिए जेनेसिस लक्जरी के साथ साझेदारी की थी। साल 2017 में रिलायंस ने जेनेसिस को खरीद लिया था।

बाजार में भीड़ रिलायंस ब्रांड्स ने 2018 में फैशन बॉक्स के स्वामित्व वाले Replay के लिए एक्सक्लूसिव डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स हासिल किए थे। इससे डेनिम पोर्टफोलियो में इजाफा हुआ जिसमें गैस, डीजल, अरमानी और सुपरड्राई जैसे ब्रांड शामिल हैं। दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में भारत ग्लोबल ऐपेरल ब्रांड्स के लिए एक आकर्षक बाजार है। खासकर युवा पश्चिमी शैली के कपड़ों को तेजी से अपना रहे हैं। लेकिन बाजार में ब्रांड्स की भीड़ बढ़ रही है। जारा और एचएंडएम से लेकर यूनिक्लो और गैप तक के अधिकांश ग्लोबल ब्रांड्स भारत में एंट्री कर चुके हैं। टॉप ग्लोबल ऐपेरल और फास्ट फैशन ब्रांड्स ने युवाओं के साथ मजबूती से तालमेल बिठाया। महामारी के बाद उनकी बिक्री में 40% से 60% के बीच तेजी आई लेकिन पिछली 6-8 तिमाहियों में स्थिति पलट गई। महंगाई, ब्याज दरों में वृद्धि, स्टार्टअप और आईटी जैसे क्षेत्रों में छंटनी और इकॉनमी में सुस्ती के कारण पिछले साल की शुरुआत से ही लोगों ने ऐपेरल, लाइफस्टाइल प्रॉडक्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और बाहर खाने-पीने जैसे गैर-जरूरी खर्चों को कम करना शुरू कर दिया।

बिक्री में गिरावट रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (RAI) के मुताबिक ऐपेरल, फुटवियर, ब्यूटी और क्विक सर्विस रेस्टोरेंट्स जैसे संगठित खुदरा क्षेत्रों में बिक्री वृद्धि पिछले वर्ष आधी होकर 9% रह गई। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में यह और धीमी होकर लगभग 5% रह गई।

ग्रे मार्केट में छाया यह आईपीओ, खुलने से पहले ही बढ़ गया भाव, 90% से ज्यादा प्रीमियम पर लिस्टिंग की उम्मीद

एसएमई बोर्ड के आईपीओ शेयर मार्केट में धमाल मचा रहे हैं। काफी आईपीओ की लिस्टिंग अच्छे प्रीमियम के साथ हुई है। कई ने तो एक ही दिन में दोगुना फायदा दे दिया है। ऐसा ही एक आईपीओ कल यानी 17 दिसंबर से खुल रहा है। ग्रे मार्केट में इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

नई दिल्ली: शेयर मार्केट में इस समय एसएमई आईपीओ छाए हुए हैं। ज्यादातर एसएमई आईपीओ की लिस्टिंग जबरदस्त हो रही है। आज सोमवार को धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस के आईपीओ की लिस्टिंग 90 फीसदी प्रीमियम पर हुई। अगर आप इस आईपीओ में निवेश से चूक गए हैं तो अभी भी आपके पास मौका है। एक एसएमई आईपीओ ग्रे मार्केट में धूम मचा रहा है। एसएमई सेगमेंट से एनएसीडीएसी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (NACDAC Infrastructure Ltd) का आईपीओ निवेश के लिए कल यानी 17 दिसंबर से खुल रहा है। यह आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में धूम मचा रहा है। इसका भाव करीब दोगुना हो गया है। ग्रे मार्केट के ट्रेंड के मुताबिक इसकी लिस्टिंग 90 फीसदी से ज्यादा प्रीमियम पर हो सकती है।

क्या है प्राइस बैंड? इस आईपीओ का इश्यू साइज 10.01 करोड़ रुपये है। कंपनी 28.60 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। कोई भी शेयर ओएफएस के तहत जारी नहीं किया जाएगा। यह इश्यू 17 दिसंबर को खुलेगा और 19 को बंद हो जाएगा। इसकी फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर है। इसका प्राइस बैंड 33 से 35 रुपये प्रति शेयर के बीच है। एक लॉट में 4 हजार शेयर हैं। इसके लिए 1.40 लाख रुपये निवेश करने होंगे। लिस्टिंग 24 दिसंबर को हो सकती है।

क्या करती है कंपनी? यह कंस्ट्रक्शन कंपनी है। इसकी स्थापना 2012 में हुई थी। इस कंपनी का मुख्य काम मल्टीस्टोरी

बिल्डिंग, रेजिडेंशियल, कमर्शियल और इंस्टीट्यूशनल स्ट्रक्चर बनाना है। कंपनी ब्रिज भी बनाती है। यह आईएसओ सर्टिफाइड कंपनी है। साथ ही यह उत्तराखंड पेयजल संसाधन विकास एंव निर्माण निगम के अंतर्गत रजिस्टर्ड है। **क्या है ग्रे मार्केट में स्थिति?** इस कंपनी का आईपीओ ग्रे मार्केट में छाया हुआ है। सोमवार दोपहर एक बजे तक इसका जीएमपी (ग्रे मार्केट प्रीमियम) 33 रुपये है। ग्रे मार्केट की इस स्थिति के मुताबिक यह आईपीओ करीब 94 फीसदी प्रीमियम के साथ 68 रुपये पर लिस्ट हो सकता है। ऐसा होने पर निवेशकों की रकम एक ही दिन में करीब दोगुनी हो सकती है।

288 साल पुराने वाडिया ग्रुप में जेह की 3 साल बाद वापसी, बॉम्बे डाइंग को मिलेगा नया बॉस!

वाडिया ग्रुप का कर्ताधर्ता नुस्ली वाडिया के बेटे जहांगीर वाडिया की तीन साल बाद वापसी हुई है। मार्च 2021 में जहांगीर ने अचानक वाडिया ग्रुप की सभी कंपनियों का बोर्ड छोड़ दिया था और अपने परिवार के साथ लंदन में बस गए थे।

नई दिल्ली: देश के सबसे पुराने औद्योगिक घरानों में से एक वाडिया ग्रुप के संरक्षक नुस्ली वाडिया के छोटे बेटे जहांगीर (जेह) वाडिया एक बार फिर ग्रुप की कंपनियों के बोर्ड में शामिल हो गए हैं। उनकी तीन साल बाद बिजनस में वापसी हुई है। इस दौरान वह लंदन चले गए थे। सूत्रों के मुताबिक लंदन में 51 वर्षीय जहांगीर और 81 वर्षीय नुस्ली वाडिया के बीच हुई बातचीत के बाद उनकी वापसी हुई है। सीनियर वाडिया अपने बेटे को वापस भारत लौटने, ग्रुप के ऑपरेशन में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करने और अपनी की कुछ जिम्मेदारियां संभालने के लिए राजी करने में सफल रहे। मार्च 2021 में जहांगीर ने अचानक वाडिया ग्रुप की सभी कंपनियों का बोर्ड छोड़ दिया था और अपने परिवार के साथ लंदन में बस गए थे।

उस समय यह माना गया था कि वाडिया परिवार रणनीतिक निर्णय के हिस्से के रूप में ग्रुप में एग्जीक्यूटिव रोल छोड़ना चाहता है लेकिन शेयरहोल्डर के तौर पर बने रहना चाहता है। इसका मकसद शेयरधारकों को बेहतर रिटर्न सुनिश्चित करना था। नुस्ली वाडिया करीब 60 साल से ग्रुप को संभाल रहे हैं। एक सूत्र ने कहा, 'शायद उन्हें लगता है कि अब समय आ गया है कि युवा पीढ़ी को कमान दी जाए, ताकि वे पेशेवरों के साथ मिलकर ग्रुप को आगे बढ़ा सकें।' जहांगीर का परिवार लंदन में रहता है, लेकिन अब वह कंपनियों का नेतृत्व करने के लिए भारत में काफी समय बिताएंगे। वाडिया ग्रुप ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

बॉम्बे डाइंग की कमान जहांगीर के साथ मिलकर काम कर चुके एक अधिकारी ने कहा कि यह ग्रुप और बिजनस के लिए अच्छी बात है कि नुस्ली वाडिया अपने बेटे को वापस लाने में सफल रहे हैं। जहांगीर का विजन क्लीयर है और उनके पास बिजनस की बेहतरीन समझ है। साथ ही वह बिजनस की स्थिति को अच्छी तरह से समझने और योजना बनाने की असाधारण क्षमता रखते हैं। जहांगीर को ब्रिटानिया में एक नॉन-एग्जीक्यूटिव रोल में फिर से नियुक्त किया गया है। माना जा रहा है कि वह बॉम्बे डाइंग के एमडी बन सकते हैं। उन्होंने 2021 तक एमडी के रूप में गोएयर का नेतृत्व किया था, जो वर्तमान में दिवालियापन समाधान से गुजर रही है। जहांगीर के बड़े भाई 53 वर्षीय बड़े भाई नेस वाडिया बॉम्बे बर्मा और नेशनल पेरोक्साइड के एमडी हैं।

AI इंजीनियर सुसाइड केस, पिता बोले- पोते को लौटा दो:आज तक गोद में नहीं लिया

हवाई जहाज बनाने वाली विदेशी कंपनी ने बेंगलुरु में किराए पर काफी बड़ा स्पेस लिया है। यह 10 साल की लीज है। इसके लिए कंपनी ने अरबों रुपये का सौदा किया है। किराए की इतनी बड़ी रकम के मामले में इस कंपनी ने ऐपल को भी पीछे छोड़ दिया है। यह कंपनी बेंगलुरु में ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर शुरू करेगी।

नई दिल्ली: देश में सिर्फ फ्लैट, अपार्टमेंट आदि की ही कीमत नहीं बढ़ रही, ऑफिस स्पेस भी महंगे होते जा रहे हैं। हवाई जहाज बनाने वाली एक ग्लोबल कंपनी ने बेंगलुरु में ऑफिस के लिए स्पेस लीज पर लिया है। इसका किराया इतना है कि नोएडा जैसे शहर में सैकड़ों फ्लैट खरीदे जा सकते हैं। इस कंपनी ने बेंगलुरु में यह स्पेस 10 साल की लीज पर लिया है।

जिस ग्लोबल कंपनी ने बेंगलुरु में ऑफिस लिया है, उसका नाम एयरबस है। एयरबस हवाई जहाज बनाने वाली दुनिया की टॉप कंपनी है। यह डिफेंस के लिए भी प्लेन बनाती है। यह भारत समेत दुनिया के कई देशों को हवाई जहाज बनाकर देती है। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार इस कंपनी ने बेंगलुरु में 6.50 लाख वर्ग फुट का स्पेस 10 साल के लिए लीज पर लिया है। कंपनी इसके लिए 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का किराया देगी यानी करीब 4.17 करोड़ रुपये हर महीने। **ऐपल को छोड़ दिया पीछे!**

स्मार्टफोन निर्माता कंपनी ऐपल ने मुंबई में अपना पहला स्टोर खोला था। यह स्टोर मुंबई के जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में पिछले साल खोला गया था। यह स्टोर इस मॉल के तीन फ्लोर में 20 हजार वर्ग फुट में बना है। इसके लिए कंपनी 42 लाख रुपये महीने दे रही है। वहीं दिल्ली में कंपनी का स्टोर 8400 वर्ग फुट में है। इसके लिए कंपनी 40 लाख रुपये महीने का किराया दे रही है। हालांकि प्रति वर्ग फुट किराया का हिसाब देखा जाए तो ऐपल एयरबस के मुकाबले ज्यादा किराया दे रही है। **एयरबस ने क्यों लिया इतना बड़ा स्पेस?** एयरबस बेंगलुरु में ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर (GCC) बनाना चाहती है। इसके लिए ही कंपनी ने यहां इतना बड़ा स्पेस किराया पर लिया है। यहां कंपनी हवाई जहाज में इस्तेमाल होने वाली नई टेक्नॉलजी पर काम करेगी। लीज एग्रीमेंट के मुताबिक कंपनी इस अवधि को 5 साल के लिए और बढ़ा सकती है।

लंदन से न्यूयॉर्क केवल 54 मिनट में... क्या है दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क का प्लान?

लंदन से न्यूयॉर्क के बीच 3,000 मील से अधिक दूरी है और इन दोनों शहरों में फ्लाइट से यात्रा करने में करीब आठ घंटे का समय लगता है। लेकिन अब यह दूरी केवल 54 मिनट में तय की जा सकती है। हालांकि इसे संभव बनाने के लिए चीन की जीडीपी से ज्यादा खर्च आएगा।

नई दिल्ली: ब्रिटेन की राजधानी लंदन से अमेरिका के शहर न्यूयॉर्क महज 54 मिनट में पहुंचा जा सकता है। वैक्यूम ट्यूब टेक्नोलॉजी यानी हाइपरलूप के जरिए यह संभव हो सकता है। लेकिन इसमें करीब 20 ट्रिलियन डॉलर का खर्च आएगा जो चीन की जीडीपी से ज्यादा है। चीन की जीडीपी अभी करीब 18 ट्रिलियन डॉलर है। अटलांटिक महासागर के आरपार स्थित लंदन और न्यूयॉर्क के बीच हाइपरसोनिक अंडरवाटर टनल में 3,000 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन चल सकती हैं। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने वैक्यूम ट्यूब टेक्नोलॉजी का समर्थन किया है। उनकी कंपनी हाइपरलूप पर काम कर रही है। अटलांटिक सागर को दोनों छोरों को अंडरग्राउंड सुरंग के जरिए जोड़ने की विचार नया नहीं है। लेकिन अब तक ऐसी तकनीक मौजूद नहीं है। अभी लंदन और न्यूयॉर्क के बीच फ्लाइट में करीब आठ घंटे का समय लगता है। पारंपरिक तकनीक से समुद्र के नीचे सुरंग बनाने में काफी खर्च आएगा और इस पर ट्रेन की रफ्तार ज्यादा नहीं होगी। लेकिन मस्क और कई दूसरे लोगों का कहना है कि वैक्यूम ट्यूब तकनीक महत्वपूर्ण हो सकती है और इस प्रोजेक्ट को व्यावहारिक बना सकती है।

मस्क का पेपर पेशे से इंजीनियर मस्क ने 2013 में एक पेपर में इस अवधारणा को दुनिया के सामने रखा था। मस्क ने टनल टेक्नोलॉजी पर केंद्रित कंपनी द बोरिंग की स्थापना भी की है। सुरंग के भीतर वैक्यूम क्रिएट किया जाएगा जिससे ट्रेनों को किसी भी एयर रेसिसटेंस का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस तरह वे पारंपरिक ट्रेनों की तुलना में कहीं अधिक रफ्तार से चल सकती हैं। हाइपरलूप में चलने वाले कैप्सूल कैप्सूल सैद्धांतिक रूप से 3,000 मील प्रति घंटे से अधिक रफ्तार से चल सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो लंदन से न्यूयॉर्क की दूरी एक घंटे में तय की जा सकती है।

लंदन और न्यूयॉर्क को जोड़ने के लिए समुद्र के नीचे 3,000 मील से ज्यादा लंबी सुरंग बनानी होगी। यह फ्रांस को इंग्लैंड को जोड़ने वाली चैनल टनल की लंबाई से करीब 130 गुना लंबी होगी। 23.5 मील लंबी चैनल सुरंग को बनने में छह साल लगे। यह साल 1994 में बनकर तैयार हुई थी। इस हिसाब से देखें को अटलांटिक के आरपार सुरंग बनाने में कई दशक लग सकते हैं। लेकिन वैक्यूम ट्यूब तकनीक में हाल ही में हुई प्रगति के के कारण इस प्रोजेक्ट को लेकर दुनिया की दिलचस्पी बढ़ी है।

भारत में टेस्ट चीन और भारत में अभी वैक्यूम ट्रेन का टेस्ट चल रहा है। लंदन और न्यूयॉर्क के बीच हाइपरलूप के निर्माण के लिए कई तरह की योजनाओं पर विचार चल रहा है। एक विचार स्टिल्ट पर ऊंची सुरंग बनाने का है। इसी तरह एक तैरती हुई सुरंग की भी कल्पना की गई है। प्रत्येक डिजाइन में लॉजिस्टिक्स और और इंजीनियरिंग की कठिनाइयां हैं। प्रोजेक्ट को व्यावहारिक बनाने के लिए निर्माण तकनीक, सुरक्षा नियम और मटीरियल साइंस में भी सुधार की जरूरत है। लेकिन इसके सपोटर्स का मानना है कि वैक्यूम ट्रेन की उच्च दक्षता और कम उत्सर्जन से पर्यावरण को बहुत लाभ हो सकता है।

अंबानी जैसे उद्योगपति नहीं चुका पा रहे लोन, बैंकों ने माफ कर डाले 12 लाख करोड़ रुपये, SBI सबसे आगे

एक तरफ बड़े-बड़े उद्योगपति डिफॉल्टर हो रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर बैंक लोन की रकम को माफ कर रहे हैं। इससे बैंकों पर दबाव बढ़ रहा है। सरकार ने एक जानकारी दी है कि पिछले 10 साल में बैंकों ने करीब 12 लाख करोड़ रुपये का लोन माफ किया है। इनमें सरकारी बैंकों ने सबसे ज्यादा लोन माफ किया है।

हाइलाइट्स

नई दिल्ली: अनिल अंबानी, जिंदल और जयप्रकाश जैसे उद्योगपति लोन की रकम को चुका नहीं पा रहे हैं। इससे बैंकों पर बोझ लगातार बढ़ रहा है। पिछले 10 साल में बैंकों ने 12 लाख करोड़ रुपये का लोन माफ किया है। वहीं पिछले 5 साल में कर्ज माफी की आधे से ज्यादा रकम सरकारी बैंकों की है। लोन माफ करने में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) सबसे आगे है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2024 के बीच बैंकों ने कुल 12.3 लाख करोड़ रुपये के लोन माफ किए गए हैं। संसद में पूछे गए सवालों के जवाब में सरकार ने यह जानकारी दी। सरकार की ओर से मुहैया कराए गए डेटा के अनुसार इसमें से 53% या 6.5 लाख करोड़ रुपये पिछले पांच वर्षों (वित्त वर्ष 20-24) में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (सरकारी बैंक) ने माफ किए। लोन नहीं चुका पाए अंबानी, जिंदल, जेपी समेत कई उद्योगपति, NPA में टॉप 100 डिफॉल्टर की हिस्सेदारी 40% से ज्यादा **लोन न चुका पाने वालों में अनिल अंबानी भी** द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक टॉप 100 डिफॉल्टरों के पास कुल एनपीए का 43 फीसदी हिस्सा है। द इंडियन एक्सप्रेस ने यह जानकारी आईटीआर के माध्यम से जुटाई है। इसमें बताया गया है कि लोन न चुका पाने वालों में अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड भी शामिल है। साथ ही इसमें जिंदल और जेपी ग्रुप की भी कंपनियां हैं। बैंकों की ओर से लोन माफ किए जाने की दर वित्त वर्ष 2019 में 2.4 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

ठंड बढ़ने से गीजर और ब्लोअर का बाजार हुआ गर्म, 10 फीसदी तक बढ़ गई कीमत

सर्दी बढ़ाने से हीटर, गीजर और ब्लोअर का इस्तेमाल बढ़ गया है। इससे इनकी मांग में तेजी आई है। अगर आप इन्हें खरीदने जा रहे हैं तो आपको जेब कुछ ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है। व्यापारियों के मुताबिक इस बार इनकी कीमत पिछले साल के मुकाबले 10 फीसदी ज्यादा हो गई है।

नई दिल्ली: ठंड की दस्तक के बीच अब बाजारों में गीजर, हीटर और ब्लोअर का बाजार गर्म होने लगा है। व्यापारियों के मुताबिक, पिछले साल की अपेक्षा मार्केट में इनकी कीमत में 10 फीसदी का उछाल आई है। सबसे अधिक 15 लीटर के गीजर की डिमांड है। हालांकि, हीटर की बिक्री अभी कम हो रही है। उम्मीद है कि ठंड बढ़ने के बाद हीटर की भी बिक्री में उछाल आएगा।

दिल्ली के बाजारों में इस समय गीजर के तीन वैरायटी 15 लीटर, 25 लीटर और 35 लीटर की बिक्री हो रही है। इस बार मार्केट में आधुनिक फीचर के साथ गीजर आए हैं। यही वजह है कि दाम में भी बढ़ोतरी हुई है। व्यापारियों के मुताबिक, 6 हजार से लेकर 15 हजार के रेट में गीजर बिक रहे हैं। दिल्ली के अलावा एनसीआर से भी गीजर की डिमांड बढ़ी है। आलू 30, टमाटर 30, प्याज 50... ठंड बढ़ते ही सस्ती हो गई सब्जी, जानें कितनी गिर गई कीमत दिल्ली की कमला नगर मार्केट के कारोबारी विकास तनेजा बताते हैं कि इन दिनों गीजर की डिमांड ज्यादा है। हालांकि, हीटर की भी बिक्री शुरू हो गई है। हीटर दो प्रकार के हैं, जिसमें ऑयल हीटर की डिमांड

ज्यादा है। कारोबारियों के मुताबिक, ऑयल हीटर नॉर्मल इलेक्ट्रिक हीटर की तुलना में थोड़ा महंगे जरूर होते हैं लेकिन इसके कई सारे फायदे हैं।

इजरायल ने 12 साल बाद बोला सबसे बड़ा हमला, सीरिया में आया तेज 'भूकंप', परमाणु बम विस्फोट जैसा दिखा नजारा

इजरायल ने सीरिया के टार्टस शहर में 12 साल का सबसे बड़ा हमला बोला है। यह हमला इतना जोरदार था कि पूरे इलाके में भूकंप आ गया। रिक्टर पैमाने पर इसे 3 मापा गया है। इस हमले के बाद आग का विशाल गोला देखा गया। यह ठीक उसी तरह से होता है जैसे परमाणु विस्फोट में होता है।

तेलअवीवः सीरिया पर एचटीएस विद्रोहियों के कब्जे के बाद से इजरायल जोरदार हवाई हमले कर रहा है। इजरायली वायुसेना ने ताजा हमले में उत्तरी पश्चिमी सीरिया में टार्टस शहर को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि यह पिछले 12 साल में सीरिया में 'सबसे बड़ा' इजरायली हमला है और इससे भूकंप जैसा झटका महसूस किया गया। यही नहीं इसके झटके को रिक्टर स्केल पर भी महसूस किया गया। इस हमले के बाद बहुत जोरदार विस्फोट हुआ और मशरूम की तरह से आग का विशाल गोला निकला जैसे परमाणु विस्फोट में निकलता है। यह वही शहर है जहां पर रूसी नौसेना का बेस भी मौजूद है।

सीरियन ऑब्जरवेटरी फॉर ह्यूमन राइट ने बताया कि इजरायल की सेना ने सीरिया की सेना के हथियार और विस्फोटकों के गोदाम को निशाना बनाया। वहीं इस हमले के बाद इलाके में रिक्टर पैमाने पर 3 की तीव्रता का भूकंप आ गया। उसने बताया कि इजरायल की सेना ने एयर डिफेंस यूनिट और सतह से सतह तक मार करने वाली सीरियाई मिसाइलों के गोदाम को तबाह किया। उसने बताया कि साल 2012 के बाद सीरिया के तटीय इलाके में यह सबसे बड़ा हमला था। बशर अल असद के रूस भागने के बाद से इजरायली सेना ने सीरिया में 300 से ज्यादा हमले किए हैं।

इजरायली सेना ने बफर जोन में प्रवेश किया बताया जा रहा है कि यह धमाका करीब 30 मिनट तक चला और पूरे इलाके में तोप के गोलों और हथियारों के नष्ट होने की आवाज सुनाई देती रही। युद्ध निगरानी सूत्रों ने बताया कि इजरायली युद्धक विमानों ने सीरिया के विभिन्न हिस्सों में पुराने सैन्य शस्त्रागारों पर कई हवाई हमले किए। ब्रिटेन के सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने रविवार को बताया कि हालिया हमलों में ज़ामा के पास बटालियन 107 के मिसाइल ठिकानों और ग्रामीण टार्टस में हथियारों के गोदामों को निशाना बनाया गया। इससे पहले रविवार शाम, एक इजरायली जेट ने पूर्वी सीरिया के दीर अल-ज़ौर सैन्य हवाई अड्डे पर रडार प्रतिष्ठानों पर हमला किया था। इससे पहले रविवार को, इजरायली विमानों ने ग्रामीण दमिश्क के पहाड़ों में बने पुराने युद्ध सामग्री के डिपो को निशाना बनाया, जिससे कई तेज़ धमाके हुए। किसी के घायल या मारे जाने की कोई खबर नहीं है। ये हमले इजरायल के चल रहे सैन्य अभियान का हिस्सा है, जो 8 दिसंबर को शुरू हुआ था। इस अभियान का उद्देश्य सीरिया के पूर्व नेतृत्व से जुड़ी बाकी सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाना है, क्योंकि नए अधिकारी देश की सुरक्षा स्थिति को स्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। इजरायली सैनिकों ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा निगरानी किए जा रहे बफर जोन में प्रवेश किया, जो पिछले सप्ताहांत गोलान हाइट्स पर इजरायली और सीरियाई बलों को अलग करता है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि यह 1974 के युद्धविराम समझौते का उल्लंघन है।

दुनिया की 8 महान शक्तियों की लिस्ट में भारत का बजा डंका, ब्रिटेन और फ्रांस को पछाड़ा

भारत ने दुनिया के 8 महान शक्तियों की लिस्ट में बड़ी बढ़त बनाई है। भारत ने ब्रिटेन, फ्रांस और दक्षिण कोरिया को पीछे छोड़ दिया है। इस लिस्ट में अमेरिका को शीर्ष स्थान दिया गया है। अमेरिका के बारे में कहा गया है कि उसे अब हिंद प्रशांत क्षेत्र में फोकस करना होगा।

लंदनः दुनिया में तेजी से अपनी धाक बना रहे भारत ने विश्व की 8 महान शक्तियों की लिस्ट में अपना डंका बजाया है। साल 2024 के खत्म होते-होते जारी इस ताजा लिस्ट में भारत ने ब्रिटेन, फ्रांस और दक्षिण कोरिया जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। इस लिस्ट को आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक प्रभाव, राजनीतिक स्थिरता और सैन्य ताकत के आधार पर बनाया गया है। 'द एट ग्रेट पावर्स ऑफ 2025' के नाम से जारी इस लिस्ट में सुपरपावर अमेरिका को पहला, चीन को दूसरा, रूस को तीसरा, जापान को चौथा, भारत को पांचवां, फ्रांस को छठवां, ब्रिटेन को सातवां और दक्षिण कोरिया को आठवां नंबर मिला है। यूरेशिया टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन की बढ़त के बाद भी अमेरिका दुनिया का का सबसे ताकतवर देश बना हुआ है। चीन ने जहां दूसरे नंबर पर है, वहीं रूस यूक्रेन युद्ध के बाद भी तीसरे स्थान पर बरकरार है। भारत को भी इस लिस्ट में एक बड़े ग्लोबल पावर के रूप में पेश किया गया है। इस पूरी लिस्ट में खास बात यह है कि एशयि के दबदबा है और 4 देशों को इसमें जगह मिली है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया का दबदबा यह दर्शाता है कि वैश्विक ताकत अब यूरो अटलांटिक क्षेत्र से हटकर हिंद प्रशांत क्षेत्र की ओर बढ़ रही है। पिछले 500 सालों में पश्चिमी देशों ने वैश्विक ताकत में मुख्य रूप से अपना प्रभाव रखा। पिछली सदी में अमेरिका ने जहां निर्णायक भूमिका निभाई लेकिन वह एक अटलांटिक महाशक्ति है। वहीं अगर इस सदी में भी अमेरिका निर्णायक भूमिका निभाएगा तो यह हिंद प्रशांत क्षेत्र होगा। इस रैंकिंग को अमेरिकी न्यूज वेबसाइट 19FortyFive ने कराया है और इसे डॉक्टर रॉबर्ट फारले ने किया है। डॉक्टर रॉबर्ट अमेरिका के पैटर्सन स्कूल में सुरक्षा और कूटनीति पढ़ाते हैं। उन्होंने कई चर्चित किताबें भी लिखी हैं।

इस रैंकिंग में कहा गया है कि अमेरिका के पास दुनिया के सबसे घातक और व्यापक रक्षा प्रतिष्ठान है। अमेरिका एकमात्र ऐसा देश है जो किसी भी समय दुनिया के किसी भी महाद्वीप में सैन्य कार्रवाई करने की ताकत रखता है। इसमें चीन को दूसरे नंबर पर जगह दी गई है लेकिन जनसंख्या में आ रही गिरावट का उस पर बुरा असर पड़ा है। हालांकि इसमें यह भी कहा गया है कि चीन और अमेरिका के बीच तकनीकी खाई कम हो रही है और ड्रैगन लगातार अपनी अर्थव्यवस्था और रक्षा औद्योगिक आधार को बढ़ा रहा है। **रूस पर नहीं है यूक्रेन युद्ध का असर** डॉक्टर रॉबर्ट ने कहा कि चीन की सबसे बड़ी कमजोरी यह थी कि उसके पास मजबूत गठबंधन नहीं था लेकिन अब यूक्रेन युद्ध के बाद बीजिंग इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। चीन बहुत सतर्कता के साथ मध्य एशिया और अफ्रीका में व्यवसायिक विस्तार कर रहा है जिससे उसकी सामरिक पहुंच बढ़ रही है। इसमें कहा गया है कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंध के बाद भी रूस के पास कई बढ़त बनी हुई है।

हिंदुत्व का मुकाबला करो... बांग्लादेशी प्रोफेसर ने भारत के खिलाफ उगला जहर, पाकिस्तान और बांग्लादेश का बताया एक ही दुश्मन

बांग्लादेश में इस साल अगस्त में शेख हसीना की सरकार के गिराए जाने के बाद से नई दिल्ली और ढाका के बीच संबंधों में तनाव बढ़ रहा है। इस बीच बांग्लादेश के प्रोफेसर और रणनीतिकार डॉक्टर शाहिदुज्जमां ने ढाका और इस्लामाबाद को भारत और हिंदुत्व के खिलाफ एकजुट होने की अपील की है।

इस्लामाबादः शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद बांग्लादेश में पाकिस्तान समर्थक खुलकर सामने आने लगे हैं। बांग्लादेश के एक प्रोफेसर ने भारत के खिलाफ जहर उगला है और पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत को काउंटर करने की अपील की है। इस्लामाबाद में पाक-बांग्लादेश संबंधों पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए बांग्लादेशी एक्सपर्ट ने पाकिस्तान के साथ एकजुटता जाहिर की। राफा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी और पाकिस्तान सिविल सोसायटी ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसमें ढाका यूनिवर्सिटी के पूर्व डीन प्रोफेसर शाहिदुज्जमां समेत कई लोगों ने वर्चुअल रूप से भाग लिया।

पाकिस्तान परस्त बांग्लादेशी प्रोफेसर शाहिदुज्जमां को भारत के खिलाफ अपने जहरीले बयानों के लिए जाना जाता है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश के रिश्ते को ऐतिहासिक बताया। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कार्यक्रम में बोलते हुए शाहिदुज्जमां ने कहा कि 'हम ऐतिहासिक बंधनों से बंधे हैं। हम उतार-चढ़ाव के दौर से गुजरे हैं, लेकिन हमने हमेशा महसूस किया है कि हमें एक-दूसरे की जरूरत है।' भारतीय हिंदुत्व को बताया दुश्मन शाहिदुज्जमां ने हिंदुत्व को दुश्मन बताते हुए आगे कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि हम एक-दूसरे को जाने के लिए सही रास्ते पर हैं। हम इस बात को पहचानने के लिए सही रास्ते पर हैं कि हम एक महान दुश्मन का सामना कर रहे हैं।' ढाका में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के गठन के बाद से बांग्लादेश और पाकिस्तान के रिश्ते तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में कराची से एक मालवाहक जहाज सीधे बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा था। बांग्लादेश बनने के बाद पाकिस्तान के साथ यह पहला सीधा समुद्री संपर्क था। **पाकिस्तान से परमाणु समझौते की कर चुके हैं बात** प्रोफेसर शाहिदुज्जमां पहले भी भारत के खिलाफ जहर उगल चुके हैं। बीते सितम्बर को ढाका में एक कार्यक्रम में पाकिस्तान के साथ परमाणु समझौता करने की मांग की थी। शाहिदुज्जमां ने पाकिस्तान को बांग्लादेश का सबसे विश्वसनीय और भरोसेमंद सुरक्षा सहयोगी बताया, जबकि भारत को बड़ा खतरा कहा था।

फासीवादी यूनुस... बांग्लादेश के विजय दिवस से पहले शेख हसीना ने अंतरिम सरकार पर बोला बड़ा हमला

ढाकाः बांग्लादेश आज 16 दिसम्बर को विजय दिवस मना रहा है। आज ही के दिन भारतीय सेना और मुक्तिवाहिनी के योद्धाओं ने पाकिस्तानी सेना को हरा दिया था। इसी विजय दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को देश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर एक और तीखा हमला किया। हसीना ने यूनुस पर एक ऐसे 'अलोकतांत्रिक समूह' का नेतृत्व करने का आरोप लगाया, जिसकी लोगों के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है। **मोहम्मद यूनुस को कहा फासीवादी** 'विजय दिवस' की पूर्व संध्या पर एक बयान में हसीना ने यूनुस को 'फासीवादी' कहा और आरोप लगाया कि उनके नेतृत्व वाली सरकार का मुख्य उद्देश्य मुक्ति संग्राम और मुक्ति समर्थक ताकतों की भावना को दबाना है। बांग्लादेश 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाता है। 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना के तत्कालीन पूर्वी कमांड के प्रमुख जनरल अमीर अब्दुल्ला खान नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ 13 दिन के युद्ध के बाद भारतीय सेना और 'मुक्ति वाहिनी' की संयुक्त सेना के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश बन गया। अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के चलते हसीना को देश छोड़कर भारत आना पड़ा था। हसीना ने अपने बयान में कहा कि 'राष्ट्र विरोधी समूहों' ने असंवैधानिक तरीके से सत्ता पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा, 'फासीवादी यूनुस के नेतृत्व वाले इस अलोकतांत्रिक समूह की जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है।'

रूस-यूक्रेन युद्ध से भारत की बल्ले-बल्ले, भारतीय होवित्जर तोप खरीदने की यूरोप में मची होड़, इस देश ने जताई इच्छा

भारत ने खुद को रक्षा उपकरणों के निर्माता के रूप में तेजी से स्थापित किया है। पिछले कुछ समय से भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। अब यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भारत की होवित्जर तोप को लेकर दिलचस्पी बढ़ रही है। हाल ही में एस्टोनिया ने भी इच्छा जताई है।

कीवः रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भारत के रक्षा उद्योग के लिए बड़ा मौका बनकर सामने आया है। रूस के आक्रमण के बाद यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी हैं। ऐसे में यूरोपीय देशों में अपनी सेनाओं और कीव की मदद के लिए तोपों की खरीद के लिए विकल्पों पर विचार शुरू हो गया है। यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कई यूरोपीय देशों ने वैकल्पिक स्रोत के रूप में भारत से तोपों को खरीदने की इच्छा जताई है।

एस्टोनिया ने भारत से हथियार लेने की जताई इच्छा रिपोर्ट अनुसार, पोलैंड और स्लोवेनिया के बाद अब रूस के एक और पड़ोसी देश एस्टोनिया इस बात की खोज कर रहा है कि क्या भारतीय कंपनियां देश में विनिर्माण लाइनें स्थापित कर सकती हैं। एस्टोनिया के रक्षा मंत्री हनो पेवुकर ने बताया है कि भारतीय कंपनियां गोला-बारूद के उत्पादन के लिए देश में निवेश करने को इच्छुक हैं। ये बयान ऐसे समय में आया है जब भारत अपना रक्षा निर्यात बढ़ा रहा है। 155 मिमी गोला-बारूद बनाने वाली भारतीय रक्षा कंपनियों ने एस्टोनिया के रक्षा उद्योग में निवेश करने की इच्छा जताई है। गोलों के साथ ही भारतीय कंपनियां तोपों की विनिर्माण लाइन स्थापित करने की संभावना पर भी विचार कर रही हैं। एस्टोनिया नाटो के उन कुछ देशों में से है, जिसने लगातार 2 प्रतिशत रक्षा खर्च की आवश्यकता को पूरा किया है।

यूक्रेन युद्ध में तोपों ने साबित की क्षमता एस्टोनियाई रक्षा मंत्री ने WION के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि यह केवल गोला-बारूद के बारे में नहीं है। यह आर्म्ड व्हीकल और हॉवित्जर का भी उत्पादन है। उन्होंने इस संबंध में जल्द ही भारत आने की उम्मीद जताई है। यूक्रेन युद्ध के दौरान हॉवित्जर तोपों ने अपनी क्षमता साबित की है। वहीं, मध्य पूर्व में संघर्ष ने भी 155 मिमी तोपों की आवश्यकता को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकें यूक्रेन युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, लेकिन संभवतः युद्ध का परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन सा पक्ष लंबे समय तक तोपखाने का उपयोग कर सकता है। यूरोप ने वर्षों से हवाई शक्ति और गाइडेड मिसाइलों के लिए तोपखाने की उपेक्षा की है, लेकिन अब उसे इसकी जरूरत महसूस हो रही है। यही वजह है कि यूरोप 155 मिमी तोपों के उत्पादन को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। नाटो के अनुमानों के अनुसार, यूरोप सालाना लगभग 20 लाख गोले का उत्पादन कर सकता है।

प्राइमरी स्कूलों में हो AI की पढ़ाई... चीनी शिक्षा मंत्रालय का आदेश, बोला- हमें सिर्फ टैलेंट चाहिए

चीन के शिक्षा मंत्रालय ने प्राइमरी स्कूलों में आर्टिफिशिय इंटेलिजेंस की पढ़ाई शुरू कराने का आदेश दिया है। मंत्रालय से जारी परिपत्र में कहा गया है कि सभी प्राइमरी स्कूलों को अपने सिलेबस में अनिवार्य रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शामिल करना चाहिए। इससे बच्चों की समझ विकसित होगी, जो आगे चलकर उनके काम आएगी।

बीजिंगः चीन ने अपने प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों से पाठ्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) को शामिल करने का आदेश दिया है। मंत्रालय ने कहा है कि वह ऐसे बच्चों की फौज तैयार करना चाहता है जो न सिर्फ टैलेंटेड हों, बल्कि तकनीकी युद्ध और चैटGPT के जमाने में खुद को स्थापित कर पाएं। पिछले सप्ताह जारी मंत्रालय के परिपत्र के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय ने स्कूलों से AI शिक्षा में सुधार करने के लिए कहा है ताकि चीन की अभिनव प्रतिभा की भविष्य की मांग को पूरा किया जा सके। **AI पर तेजी से काम कर रहे चीनी स्कूल** बीजिंग के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में विश्व गुरू बनने की योजना का अनावरण करने के एक साल बाद, 2018 से 500 से अधिक चीनी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों ने AI पर आधारित कोर्सेज शुरू किए हैं। अमेरिका के साथ तकनीकी युद्ध के दौरान और चैटGPT जैसे AI-संचालित चैटबॉट के दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाने के कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए चीन का उत्साह बढ़ा है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि AI कोर्सेज "व्यवस्थित रूप से" शुरू किए जाने चाहिए और स्कूलों का मूल्यांकन करते समय उन्हें एक कारक के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। मंत्रालय ने कहा है कि जूनियर प्राइमरी स्कूल के विद्यार्थियों को AI के बारे में अनुभव प्राप्त करना चाहिए और बुनियादी समझ विकसित करने चाहिए, जबकि सीनियर क्लासेज के विद्यार्थियों को तकनीक को समझना और उन्हें लागू करना सीखना चाहिए। परिपत्र में कहा गया है कि सीनियर हाई स्कूल में, "एआई के अनुप्रयोग के साथ इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स" पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। मंत्रालय के अनुसार, स्कूलों को एआई के लिए "असाइनमेंट या प्रोजेक्ट-ओरिएंटेड टीचिंग" को बढ़ावा देना चाहिए और टेक्नोलॉजी को अपने कंप्यूटर साइंस कोर्सेज और फील्ड ट्रिप में इंटीग्रेट करना चाहिए, जबकि शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में ट्रेनिंग दी जानी चाहिए।

रूस-यूक्रेन युद्ध से भारत की बल्ले-बल्ले, भारतीय होवित्जर तोप खरीदने की यूरोप में मची होड़

भारत ने खुद को रक्षा उपकरणों के निर्माता के रूप में तेजी से स्थापित किया है। पिछले कुछ समय से भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। अब यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भारत की होवित्जर तोप को लेकर दिलचस्पी बढ़ रही है। हाल ही में एस्टोनिया ने भी इच्छा जताई है।

कीवः रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भारत के रक्षा उद्योग के लिए बड़ा मौका बनकर सामने आया है। रूस के आक्रमण के बाद यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी हैं। ऐसे में यूरोपीय देशों में अपनी सेनाओं और कीव की मदद के लिए तोपों की खरीद के लिए विकल्पों पर विचार शुरू हो गया है। यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कई यूरोपीय देशों ने वैकल्पिक स्रोत के रूप में भारत से तोपों को खरीदने की इच्छा जताई है। **एस्टोनिया ने भारत से हथियार लेने की जताई इच्छा** रिपोर्ट अनुसार, पोलैंड और स्लोवेनिया के बाद अब रूस के एक और पड़ोसी देश एस्टोनिया इस बात की खोज कर रहा है कि क्या भारतीय कंपनियां देश में विनिर्माण लाइनें स्थापित कर सकती हैं। एस्टोनिया के रक्षा मंत्री हनो पेवुकर ने बताया है कि भारतीय कंपनियां गोला-बारूद के उत्पादन के लिए देश में निवेश करने को इच्छुक हैं। ये बयान ऐसे समय में आया है जब भारत अपना रक्षा निर्यात बढ़ा रहा है। 155 मिमी गोला-बारूद बनाने वाली भारतीय रक्षा कंपनियों ने एस्टोनिया के रक्षा उद्योग में निवेश करने की इच्छा जताई है। गोलों के साथ ही भारतीय कंपनियां तोपों की विनिर्माण लाइन स्थापित करने की संभावना पर भी विचार कर रही हैं। एस्टोनिया नाटो के उन कुछ देशों में से है, जिसने लगातार 2 प्रतिशत रक्षा खर्च की आवश्यकता को पूरा किया है।

यूक्रेन युद्ध में तोपों ने साबित की क्षमता एस्टोनियाई रक्षा मंत्री ने WION के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि यह केवल गोला-बारूद के बारे में नहीं है। यह आर्म्ड व्हीकल और हॉवित्जर का भी उत्पादन है। उन्होंने इस संबंध में जल्द ही भारत आने की उम्मीद जताई है। यूक्रेन युद्ध के दौरान हॉवित्जर तोपों ने अपनी क्षमता साबित की है। वहीं, मध्य पूर्व में संघर्ष ने भी 155 मिमी तोपों की आवश्यकता को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकें यूक्रेन युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, लेकिन संभवतः युद्ध का परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन सा पक्ष लंबे समय तक तोपखाने का उपयोग कर सकता है। यूरोप ने वर्षों से हवाई शक्ति और गाइडेड मिसाइलों के लिए तोपखाने की उपेक्षा की है, लेकिन अब उसे इसकी जरूरत महसूस हो रही है। यही वजह है कि यूरोप 155 मिमी तोपों के उत्पादन को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। नाटो के अनुमानों के अनुसार, यूरोप सालाना लगभग 20 लाख गोले का उत्पादन कर सकता है।

धर्म

सुख और मंगलदायी है माँ वैष्णों देवी

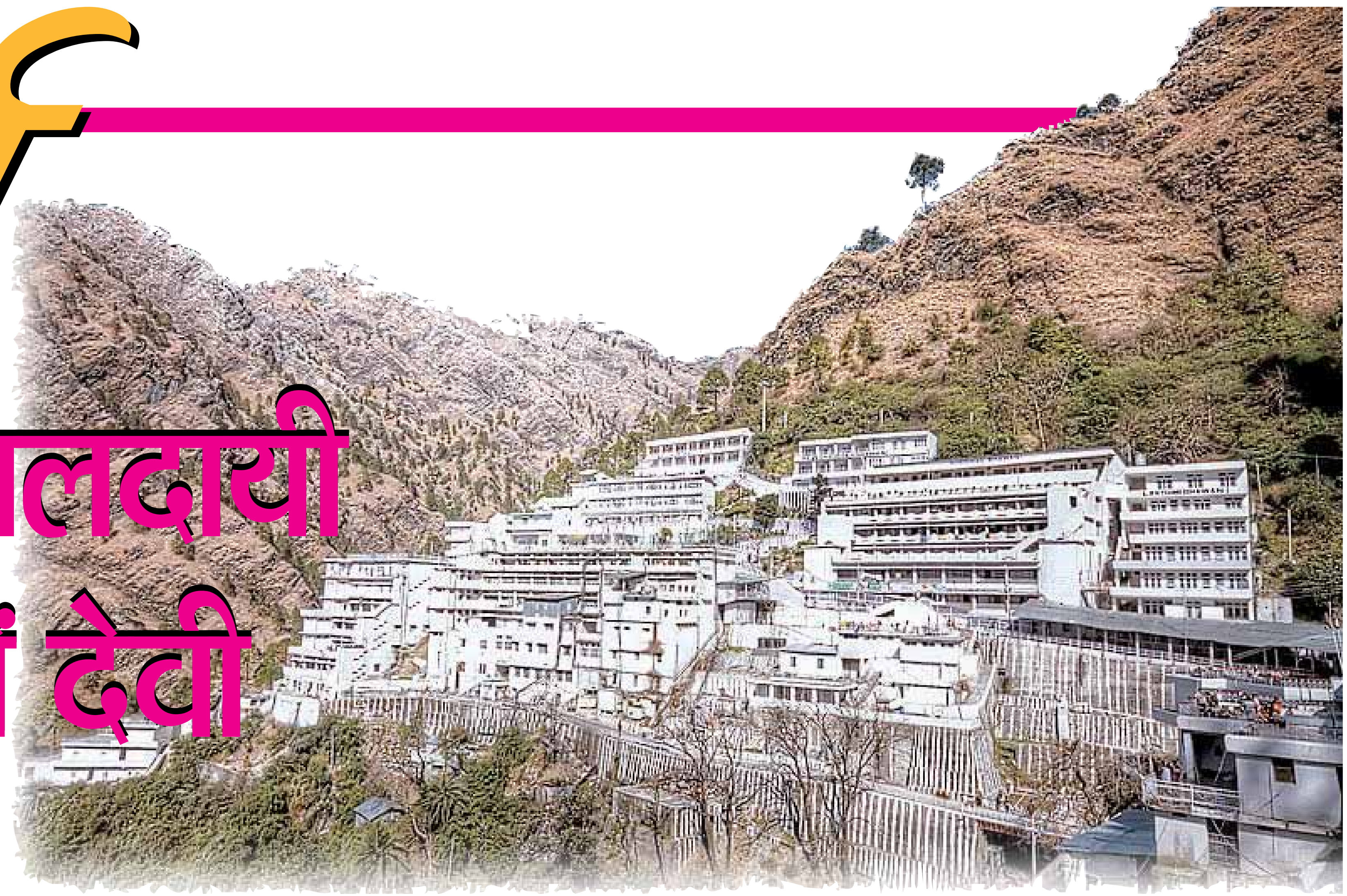

सुख और मंगल फल देने वाली माता वैष्णों देवी का दरबार जम्मू स्थित कटरा से लगभग 14 किलोमीटर है। जम्मू देश के हर कोनो से रेल यातायात ही नहीं रोड, हवाईजहाज सभी तरह की यात्री सुविधाओं से जुड़ा है। यहां कटरा तक भक्त गण बस, निजी वाहन अथवा वायुमार्ग से पहुंच सकते हैं। कटरा में वैष्णो देवी श्राईन बोर्ड में पंजीकरण करवाने के बाद माता के मंदिर की पैदल यात्रा शुरू होती है। मंदिर पहुंचने के मार्ग पहाडों के बीच से होकर जाता है। वर्तमान में श्राईन बोर्ड एवं सरकार द्वारा वैष्णों देवी मार्ग को काफी सुगम बना दिया गया है। रास्ते में ठहरने की व्यवस्था एवं खाने-पीने की चीजें की दुकानें रास्तेभर मिलती हैं। वैष्णों मंदिर तक रास्ते में खाने पीने की दुकानों के अलावा यात्रियों की यात्रा को सुलभ बनाने के उद्देश्य से जगह-जगह आराम करने व ठहरने के लिए भी ठिकाने हैं।

देवी भागवत पुराण के अनुसार महामाया देवी जगत की अधिष्ठात्री हैं। इन्होंने ही इस संसार का निर्माण किया है। यही भगवती महामाया देवी भगवान श्री विष्णु की माया बनकर उनके साथ रहती हैं। इन्हीं की प्रेरण से भगवान विष्णु के हाथों मधु एवं कैटभ नामक असुरों का वध हुआ। यह देवी ही जगत के कल्याण हेतु महालक्ष्मी, महाकाली एवं महासरस्वती रूप में प्रकट हुईं। यह देवी आदि शक्ति कही जाती हैं। इन्हीं माहाशक्तियों की सम्मिलित शक्ति हैं माता वैष्णो देवी। माता वैष्णों देवी त्रिकुट पर्वत पर्वत पर तीनों महाशक्तियों के साथ निवास करती हैं। यहां माता का दरबार एक फा में है। यह समुद्र तल से लगभग 4800 फुट की ऊँचाई पर है। पुरातत्ववेत्ताओं के अनुसार यह गुफा अरबों वर्ष पुरानी है।

भूमिका मंदिर

भूमिका मंदिर कटरा से दो किलोमीटर आगे है। करीब सात सौ वर्ष पहले यहीं श्रीधर पंण्डित को माता वैष्णो ने कन्या के रूप में दर्शन दिया था। इसी पवित्र स्थान पर माता वैष्णो देवी ने भैरोनाथ समेत अन्य गांव वालों को भोजन कराया। यहीं से माता भैरोनाथ से हाथ छुड़ाकर दर्शनी द्वार के रास्ते अपने भवन की ओर दौड़कर भागी थी।

वैष्णो देवी वाण गंगा

वैष्णो देवी की यात्रा के मार्ग में वाण गंगा नामक स्थान आता है। यह वही स्थान है जहां माता वैष्णो देवी ने हनुमान जी को प्यास लगने पर अपने वाण से गंगा को प्रवाहित किया था। यात्रा के दौरान भक्त वाण गंगा के जल में स्नान करके अपनी थकान कम करते हैं। स्नान के बाद शरीर में नई ताजगी एवं उत्साह का संचार होता है जो भक्तों को पर्वत पर चढ़ने का हौसला देता है। वाण गंगा के जल में स्नान करने से कई प्रकार के रोग दूर हो जाते हैं। वैष्णों देवी श्राईन बोर्ड की तरफसे यहां जन सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। कुछ श्रद्धालु भक्त यहां अपने बच्चों का मुण्डन संस्कार भी करवाते हैं। वर्तमान समय में वाण गंगा के जल में स्नान का आनन्द बरसात के मौसम में ही मिल पाता है। अन्य मौसम में वाण गंगा में जलाभाव रहता है ऐसे में यात्रियों को श्राईन बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले जल में स्नान करके संतुष्ट होना पड़ता है। यहां स्नान करने के बाद माता के भक्त जय माता दी का नारा लगाते हुए आगे की यात्रा शुरू करते हैं। वाण गंगा से पहाड़ की चढ़ाई शुरू हो जाती है। यहां मार्ग में दोनों तरफ दुकानें हैं जहां प्रसाद एवं खाने की

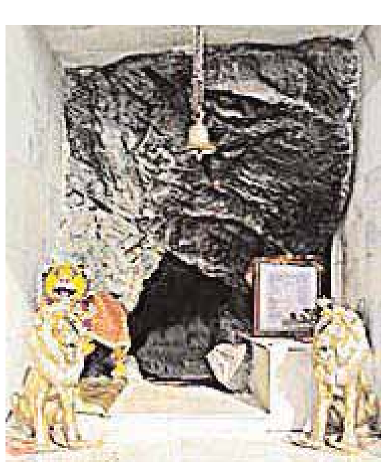

चीजें मिलती हैं। दुकानों में छड़ी भी मिलती है। पहाड़ पर चढ़ने में सहुलियत के लिए यात्री छड़ी खरीदते हैं। लौटते समय यात्री चाहें तो दुकानदार को छड़ी वापस कर सकते हैं। दुकानदार छड़ी की आधी कीमत वापस कर देता है।

चरण पादुका

वाण गंगा से आगे बढ़ने पर मार्ग में चरण पादुका नामक स्थान आता है। इस स्थान पर एक शिला के ऊपर माता के चरण के निशान हैं। भैरो से हाथ छुड़ाकर भागते हुए माता यहीं शिला पर खड़ी होकर पीछे आते हुए भैरो को देखा था। माता क चरण चिन्ह के कारण यह स्थान पूजनीय है। यहां भक्त मात के चरणों का दर्शन करते हैं और अपनी यात्रा सफल बनाने की पार्थना करते हुए आगे बढ़ते हैं।

आदि कुमारी

चरण पादुका के आगे देवी आदि कुमारी का मंदिर है। भौरो को अपना पीछा करते हुए देखकर माता यहीं एक गुफा में छुपकर विश्राम करने लगीं। माता इस गुफा में नौ महीने तक छुपकर बैठी रहीं अतरू इस फा को गर्भजून के नाम से जाना जाता है। यह गुफा संकरी है फिर भी मोटे से मोटे लोग निकल आते हैं।

और कभी-कभी पतले लोगों को भी इससे निकलने में परेशानी होती है। कहते हैं श्रद्धा एवं आस्था से इस गुफा में जो भी भक्त प्रवेश करता है उसे पुनः गर्भ में नहीं आना पड़ता है। इस स्थान पर गर्भजून में प्रवेश के लिए पर्ची कटवानी पड़ती है। भक्तों को गर्भ जून में प्रवेश पाने के लिए अपने नम्बर की लम्बी प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

हाथी मत्था

आदि कुमारी से आगे ढाई किलोमीटर तक पहाड़ पर खड़ी चढ़ाई है। इसकी आकृति हाथी के सिर जैसी होने के कारण इसे हाथी मत्था के नाम से जाना जाता है। खड़ी चढ़ाई होने के बावजूद माता के भक्त जय माता दी का नारा लगाते हुए आगे बढ़ते जाते हैं।

सांझी छत

हाथी मत्था पर चढ़ते-चढ़ते जब भक्त थकने लगते हैं तब सांझी छत आता है। यह स्थान समतल और ढ़ालुवां है। यहां से माता का मंदिर दिखने लगता है और भक्तों का उत्साह बढ़ जाता है। कदम अपने आप तेजी से आगे बढ़ने लगता है। यहां आकर माता के भक्तों की आँखों से खुशी छलकने लगती है। भक्त माता का जयकारा लगाते हुए झूम उठते हैं।

वैष्णो देवी प्राचीन गुफा

माता के भवन में प्रवेश के लिए वर्तमान में जिस गुफा द्वार एवं निकास द्वार प्रयोग किया जाता है उसका निर्माण 1977 में किया गया। इस फा के पास ही प्राचीन गुफा द्वारा है जिससे होकर भक्त माता के दरबार में पहुंचते थे। यह गुफा काफी संकरी थी अतरू माता के दरबार में आने वाले भक्तों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए नई गुफा का निर्माण करवाया गया।

माता वैष्णों देवी दर्शन का फल

माता वैष्णो देवी त्रिकुट पर्वत पर धर्म की रक्षा एवं भक्तों के कल्याण हेतु निवास करती हैं। वैष्णो देवी अपने दरबार में आये भक्तों की विनती सुनती हैं। यह अपने भक्तों पर दया एवं करूणा भाव रखता रखती हैं। मान्यता है कि माता के दरबार में जैसी कामना लेकर भक्त पहुंचता है माता उसकी उसी अनुरूप कामना पूरी करती हैं। नव दम्पति विवाह के पश्चात माता के दरबार में पहुंचकर अपने सुखी दाम्पत्य जीवन का आशीर्वाद मांगते हैं। माता के दरबार में संतान की कामना से आने वाले भक्तों की मुराद पूरी होती है। भगवती वैष्णों की भक्ति से धन एवं दूसरे भौतिक सुख.साधन भी नसीब होता है। जो भक्त सच्चे मन से माता के दरबार में पहुंचता है मात उसे आरोग्य का आशीर्वाद देती है।

वैष्णो देवी आने वाले भक्त

माता वैष्णो देवी के प्रति दिन-प्रतिदिन लोगों की आस्था मजबूत होती जा रही है। माता के बहुत से भक्त अपनी मुराद पूरी होने के बाद भवन के मार्ग में भंडारा करते हैं। माता के दरबार में आने वाले भक्त हसे माता का प्रसाद मानकर ग्रहण करते हैं और जयकारा लगाते हुए आगे बढ़ते जाते हैं। वैष्णो देवी आने वाले भक्तों की संख्या प्रति वर्ष लाखों में होती है। यह तिरूपति के बाद ऐसा तीर्थस्थल है जहां सबसे अधिक श्रद्धालु आते हैं। शारदीय नवरात्रा एवं चैत्र नवरात्रा के अवसर पर यहां बड़ी संख्या में भक्तगण आते हैं। शीत ऋुत में जब पहाड़ों पर बर्फ पड़ने लगता है तब तीर्थयात्रियों की संख्या कम हो जाती है वैसे सालो भर यहां दर्शनाथी आते रहते हैं।

गृह निर्माण की मान्यता

भैरो घाटी में बाबा भैरोनाथ के दर्शन के पश्चात लौटते समय रास्ते में लोग पत्थरों से घर बनाते हैं। इस विषय में धारणा यह है कि जो भी भक्त माता का ध्यान करके इस स्थान पर पत्थरों से घर बनाता है उसे मृत्यु पश्चात परलोक में अच्छा घर मिलता है। अगले जन्म भी व्यक्ति के पास अपना मकान होता है। इस मान्यता के कारण लोग रास्ते के किनारे बिखरे पत्थरों से घर बनाते हैं।

मंदिर में जब भी बैठे तो ध्यान रखें ये बात

ईश्वर की साक्षात् अनुभूति, उपासना और आराधना के लिए मंदिर बनाए जाते हैं और बनाए भी गए हैं। सनातन धर्मावलम्बी भी अपने घरों में अलग से पूजा घर बनाते हैं या फिर अलग से स्थान रखा जाता है। इस पूजा घर या स्थान में देवी-देवताओं की प्रतिमाएं या चित्त रखे जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि मंदिरों में ईश्वर साक्षात् रूप में विराजित होते हैं। किसी भी मंदिर में भगवान के होने की अनुभूति प्राप्त की जा सकती है। भगवान की प्रतिमा या उनके चित्त को देखकर मन शांत हो जाता है और आत्मीय सुख प्राप्त होता है। मंदिर में भगवान का ध्यान लगाने के लिए बैठते समय ध्यान रखना चाहिए कि हमारी पीठ भगवान की ओर न हो। इसे शुभ नहीं माना जाता है। मंदिर में कई दैवीय शक्तियां का वास होता है और वहां सकारात्मक ऊर्जा हमेशा सक्रीय रहती है। यह शक्ति या ऊर्जा देवालय में आने वाले हर व्यक्ति के लिए होती है। यह हम पर ही निर्भर करता है कि हम वह शक्ति कितनी ग्रहण कर पाते हैं। इन सभी शक्तियों का केंद्र भगवान की प्रतिमा ही होती है जहां से यह सभी सकारात्मक ऊर्जा संचारित होती रहती है। ऐसे में यदि हम भगवान की प्रतिमा की ओर पीठ करके बैठ जाते हैं तो यह शक्ति प्राप्त नहीं हो पाती। भगवान की ओर पीठ न करने का एक धार्मिक कारण भी है। ईश्वर को पीठ दिखाने का अर्थ है उनका अपमान करना। यही कारण है कि भगवान को पीठ नहीं दिखाना चाहिए। आम तौर पर आपने देखा होगा कि चाहे मंदिर हो या देवालय या फिर दरगाह, श्रद्धालु निकलते वक्त मुंह करके ही द्वार से बाहर निकलते हैं।

भैरो नाथ का मंदिर

बाबा भैरोनाथ का मंदिर एक खुले चबूतरे पर है। इस चबूतरे की ऊँचाई लगभग ढाई फीट है। यहां भैरो बाबा के दर्शन के पश्चात भक्तगण उनकी प्रदक्षिणा करते हैं। भैरोनाथ के मंदिर के बायीं तरफ एक हवन कुण्ड है। इस हवन कुण्ड में भक्तगण अगरबत्ती डालकर बाबा को प्रणाम करते हैं। भैरो बाबा को काले रंग की डोरी चढ़ाते हैं।

बाबा भैरोनाथ

बाबा भैरोनाथ सिद्धि प्राप्त तांत्रिक था। वह जानता था कि उसके पूर्व जन्मों के पापों से माता ही मुक्ति प्रदान कर सकती थीं। अतः इसकी इच्छा थी कि यह माता के हाथों से मृत्यु प्राप्त करे। माता के हाथों से मृत्यु पाने के बाद चण्ड-मुण्ड, महिषासुर, शुम्भ-निशुम्भ जैसे असुरों को मुक्ति मिल चुकी है। भैरोनाथ भी इसी प्रकार माता के हाथों से मुक्ति की कामना रखता था अतः माता के साथ लड़ने की धृष्टता की।

जब माता ने अपने त्रिशुल से बाबा भैरोनाथ के सिर के काट डाला तब भैरोनाथ माँ से दया एवं करूणा की भिक्षा मांगने लगे। माता ने भैरो की भक्ति भाव को समझकर उसे मुक्ति प्रदान कर दिया एवं उसे देव तुल्य स्थान भी प्रदान किया। भैरोनाथ को माता का आशीर्वाद है कि जो भी भक्त माता के दरबार में पहुंचेगा उसे भैरोनाथ का दर्शन करना होगा अन्यथा माता के दर्शन का फल उसे नहीं मिलेगा।

भैरो घाटी में स्थित भैरोनाथ

वैष्णों माता के मंदिर से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित है भैरो घाटी। यहीं पर बाबा भैरोनाथ का मंदिर है। भैरो मंदिर पहुंचने के लिए यात्रियों को खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ती है। भैरो मंदिर तक पहुंचने के लिए घुमावदार रास्ते हो होकर भक्तगण बाबा के मंदिर में पहुंचते हैं। भैरो बाबा के मंदिर से पहाड़ का दृश्य अत्यंत रमणीय है। जो भक्त माता के मंदिर से भैरो घाटी तक पैदल चलने में असमर्थ होते हैं वह माता के मंदिर से घोड़े पर बैठकर भैरो घाटी पहुंच सकते हैं। भैरोनाथ को माता का अशीर्वाद प्राप्त होने के कारण भक्तो को भैरोनाथ का दर्शन अवश्य करना चाहिए।

भौरो बाबा का महात्म्य

ऐसी मान्यता है कि बाबा भैरवनाथ पर चढ़ाई गयी काली डोरी को पैरों में बांधने पर पैर का दर्द ठीक हो जाता है। काले रंग की यह डोरी बुरी नजर एवं प्रेत बाधा से भी भक्तों की रक्षा करती है। भैरवनाथ मंदिर के हवन कुण्ड से श्रद्धालु भष्म भी लाते हैं। जिन लोगों को रात में बुरे-बुरे सपने आते हैं। अनजाने भय से मन भयभीत रहता है बाबा का भभूत लगाने से इन परेशानियों से मुक्ति मिलती है। भैरो बाबा का भभूत लगाने से कई प्रकार के रोग दूर हो जाते हैं। इनके दर्शन के पश्चात माता के दर्शन का पुण्य भी भक्तों को प्राप्त होता है।

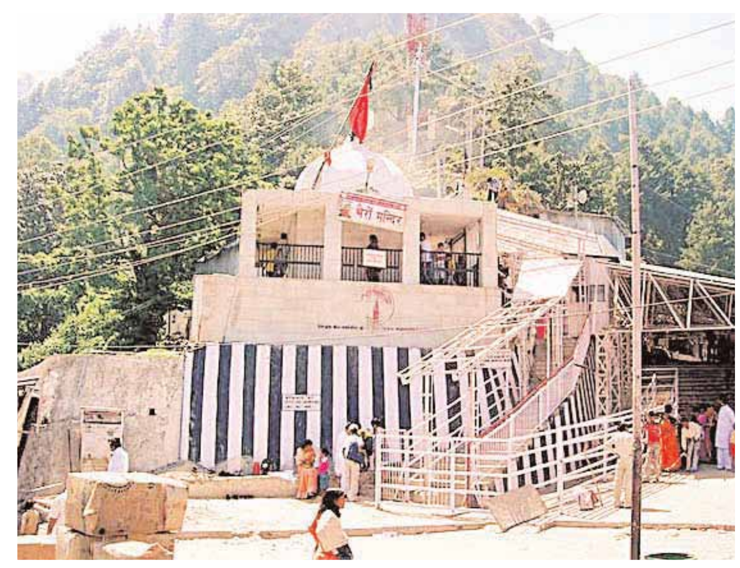

विश्व विजेता बेटा आया है... चेन्नई पहुंचने पर ऐसा भव्य स्वागत, डी गुकेश की सादगी दिल जीत लेगी!

शतरंज विश्व चैंपियनशिप जीतकर भारत का सिर गर्व से ऊंचा करने वाले डी गुकेश स्वदेश लौटे। चेन्नई एयरपोर्ट पर पहुंचने पर भारी भीड़ के बीच डी गुकेश का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने चीनी खिलाड़ी को हराकर सिर्फ 18 साल की उम्र में विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

चेन्नईः विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश का सोमवार को यहां हवाई अड्डे पर सैकड़ों उत्सुक प्रशंसकों, तमिलनाडु सरकार और राष्ट्रीय महासंघ के अधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। अठारह वर्षीय गुकेश ने पिछले सप्ताह सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया और रूस के गैरी कास्परोव के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ दिया। कास्परोव 1985 में 22 साल की उम्र में विश्व चैंपियन बने थे। स्वदेश लौटने पर गुकेश ने उनका समर्थन करने के लिए सभी का धन्यवाद किया। मीडिया और प्रशंसकों के बीच इस युवा खिलाड़ी को करीब से देखने के लिए लगी होड़ के बीच गुकेश ने कहा, 'यह शानदार है। आपके समर्थन ने मुझे बहुत ऊर्जा दी। विश्व चैंपियनशिप जीतना एक शानदार अहसास है।' उन्होंने कहा, 'भारत में ट्रॉफी वापस लाना बहुत मायने रखता है। इस स्वागत के लिए धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में हम साथ मिलकर जश्न मनाकर अच्छा समय बिताएंगे।' कामराज हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद तमिलनाडु के खेल विकास प्राधिकरण और उनके स्कूल वेलाम्मल विद्यालय के कर्मचारियों ने उन्हें हवाई अड्डे के लाउंज में शॉल ओढ़ाने से पहले गुलदस्ता देकर स्वागत किया। गुकेश ने अपनी शतरंज की यात्रा वेलाम्मल स्कूल से शुरू की थी। प्रशंसकों का अभिवादन करने के बाद गुकेश फूलों और अपनी तस्वीर से सजी कार पर अपने घर के लिए रवाना हो गए। वह अपने माता-पिता, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ जश्न मनाने के लिए घर लौटने से पहले मोगाप्पेयर के वेलाम्मल स्कूल में मीडिया से बात करेंगे। गुकेश के पिता ईएनटी सर्जन डॉ. रजनीकांत पूरी प्रतियोगिता के दौरान उनके साथ थे जबकि उनकी मां माइक्रोबायोलॉजिस्ट पद्मावती अंतिम दौर के बाद सिंगापुर में उनके साथ शामिल हुईं।

उनका मंगलवार को वल्लाहजाह रोड स्थित कलैवनार आरंगम में भव्य स्वागत किया जाएगा और उन्हें विशेष रूप से आयोजित परेड के जरिए इस प्रतिष्ठित ऑडिटोरियम में ले जाया जाएगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के गुकेश को पांच करोड़ रुपये का चेक प्रदान करने के लिए समारोह के दौरान मौजूद रहने की उम्मीद है। गुकेश की ऐतिहासिक जीत के तुरंत बाद स्टालिन ने एक्स पर लिखा था, 'सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश की शानदार उपलब्धि का सम्मान करने के लिए मुझे पांच करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है! उनकी ऐतिहासिक जीत ने देश को बहुत गर्व और खुशी दी है। वह भविष्य में चमकते रहें और अधिक से अधिक ऊंचाइयों को छूएं।' महान विश्वनाथन आनंद के बाद गुकेश विश्व खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय हैं। आनंद ने यहां अपनी अकादमी में इस किशोर के खेल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गुकेश के लिए मौजूदा साल शानदार रहा जिसकी शुरुआत टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जीत से हुई जिसने उन्हें विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र का चैलेंजर बना दिया। बाद में गुकेश ने बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड में भारत के पहले स्वर्ण पदक जीतने के अभियान का नेतृत्व किया। विश्व चैंपियनशिप जीतने के लिए गुकेश को 13 लाख डॉलर (लगभग 11.03 करोड़ रुपये) का नकद पुरस्कार भी मिला।

ब्रिस्बेन टेस्ट में जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट झटके और ऑस्ट्रेलियाई धरती पर 50 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बन गए

ब्रिस्बेनः भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबर है। इस सीरीज में जसप्रीत बुमराह शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने ब्रिस्बेन में चल रहे तीसरे टेस्ट की पहली पारी में भी तहलका मचा दिया। दूसरे दिन दांये हाथ के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ब्रिस्बेन टेस्ट में पांच विकेट लिए और तीसरे दिन मिचेल स्टार्क को आउट करके टेस्ट क्रिकेट में एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

गाबा में पहली पारी में 6 विकेट लेने के बाद बुमराह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर 50 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। कपिल देव के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले जस्सी सिर्फ दूसरे भारतीय हैं।

ब्रिस्बेन टेस्ट में ही तोड़ सकते हैं दिग्गज कपिल देव का रिकॉर्ड 31 वर्षीय बुमराह ने अब तक 19 पारियों में 50 विकेट लिए हैं और उनका गेंदबाजी स्ट्राइक रेट 42.82 है। कपिल देव के नाम ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में 51 विकेट दर्ज हैं, उनका गेंदबाजी औसत 24.58 और स्ट्राइक रेट 61.50 है। दो और विकेट लेने के साथ, बुमराह कपिल देव को पीछे छोड़कर ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। **तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन भी तोड़ा कपिल देव का खास रिकॉर्ड** मैच के दूसरे दिन, जसप्रीत बुमराह सेना (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में सबसे अधिक पांच विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए। उन्होंने सेना देशों में आठ बार फाइव विकेट हॉल लिए और कपिल देव को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम इन चार देशों में मिलाकर सात पांच विकेट लेने वाले ओवर थे। इस सीरीज में पहले, वह कपिल देव (दो बार - 1979 और 1983) और जहीर खान (2002) के बाद एक कैलेंडर वर्ष में 50 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय बन गए। वह वर्तमान में 2024 में सभी प्रारूपों में 20 मैचों में 73 विकेट के साथ शीर्ष पर हैं, उनका गेंदबाजी स्ट्राइक रेट 26.6 है और चार पांच विकेट लेने वाले ओवर हैं।

विश्व विजेता डी गुकेश की जेब से कटेगा तगड़ा पैसा, इस बार भरना होगा इतने करोड़ का इनकम टैक्स!

बचपन में शतरंज खेलना शुरू करने वाले डी गुकेश अब विश्व विजेता बन गए हैं। उन्हें विश्व विजेता बनने पर लगभग 12 करोड़ रुपये इनाम के रूप में मिले। इससे उनकी नेटवर्थ में गजब इजाफा हुआ है और दावा किया जा रहा है कि वह करोड़ों में इनकम टैक्स भी भी भरेंगे।

नई दिल्लीः भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल कर लिया। वह सिर्फ 18 साल के हैं और सबसे कम उम्र में विश्व शतरंज चैंपियन बनने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। गुकेश के लिए विश्व चैंपियन बनना आसान नहीं था। वह पहले राउंड में लिरेन से हार गए थे, लेकिन उन्होंने तीसरे गेम में वापसी की। आखिरी में 14वें और आखिरी दौर भारतीय चाणक्य ने कमाल करते हुए जीत दर्ज की और खिताब अपने नाम कर लिया। यह हर किसी के लिए हैरान करने वाला था, क्योंकि लिरेन विश्व चैंपियन थे और एक गलती ने उन्हें हरा दिया। विश्व विजेता बनने पर गुकेश ने को 11.34 करोड़ रुपये इनाम के रूप में मिले। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि गुकेश की कुल नेटवर्थ अब लगभग 21 करोड़ रुपये हो गई है। विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने से पहले उनकी नेटवर्थ 8 करोड़ रुपये से अधिक थी। टाइम्स नाउ की मानें तो गुकेश इनकम टैक्स के लिहाज से भारत में गुकेश संभवतः 30% कर स्लैब में आएंगे। इसका मतलब है कि उन्हें जीतने वाली राशि पर लगभग 3 करोड़ आयकर देना होगा।

रिपोर्ट्स का दावा है कि इसमें सर्ज चार्ज भी शामिल होगा, इसलिए गुकेश को आयकर के रूप में लगभग 4.67 करोड़ का भुगतान करना होगा। हालांकि, खेल प्रेमियों को गुकेश का इनकम टैक्स के रूप में इतनी भारी रकम चुकाना पसंद नहीं आ रहा है। सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। खैर, नए विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए करोड़पति बनने का तमगा बहुत मायने रखता है, लेकिन वह भौतिक लाभ के लिए नहीं खेलते बल्कि इसका आनंद उठाने के लिए खेलते हैं और वह इस लगाव को तब से बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं जब शतरंज बोर्ड उनके लिए सबसे अच्छा खिलौना हुआ करता था। बता दें कि गुकेश के पिता रजनीकांत ने अपने बेटे के साथ सर्किट पर जाने के लिए 'ईएनटी सर्जन' के तौर पर अपना करियर छोड़ दिया जबकि उनकी मां पद्मकुमारी एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं जो परिवार की एकमात्र कमाने वाली बन गईं। यह पूछे जाने पर कि करोड़पति होना उनके लिए क्या मायने रखता है तो गुकेश ने एक साक्षात्कार के रूप में फिडे को बताया- यह बहुत मायने रखता है। जब मैं शतरंज में आया तो हमें एक परिवार के रूप में कुछ मुश्किल फैसले लेने पड़े। मेरे माता-पिता वित्तीय और भावनात्मक कठिनाइयों से गुजरे थे। अब, हम अधिक सहज हैं और मेरे माता-पिता को उन चीजों के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा- व्यक्तिगत रूप से मैं पैसे के लिए शतरंज नहीं खेलता।

बंगाली माता-पिता, अंग्रेज से हिन्दू रीति-रिवाज से शादी, काली पूजा... जसप्रीत बुमराह को 'बंदर' कहने वाली ईसा गुहा कौन हैं?

ब्रिटिश पूर्व क्रिकेटर ईसा गुहा जसप्रीत बुमराह पर कमेंट करके विवादों में आ गई हैं। हालांकि, उन्हें गलती का अहसास है और उन्होंने तत्काल माफी मांग ली। बहुत कम लोग जानते होंगे कि ईसा इंग्लैंड की तरफ से जरूर क्रिकेट खेलीं, लेकिन मूल रूप से अभी भी भारतीय विचारधारा को फॉलो करती हैं।

बंगाली माता-पिता, अंग्रेज से हिन्दू रीति-रिवाज से शादी, काली पूजा... जसप्रीत बुमराह को 'बंदर' कहने वाली ईसा गुहा कौन हैं?

ब्रिस्बेनः किसी की तारीफ करना भी एक कला है। उसके लिए सही शब्द चुनने होते हैं, जिससे कि जो आप कहना चाहते हैं सामने वाले तक भी वही मेसेज पहुंचे। अगर ऐसा नहीं हुआ तो यकीन मानिए आपकी तारीफ भी स्वीकार नहीं होगी और बाद में आपको अपनी गलती पर पछतावा भी हो सकता है। कुछ ऐसा ही हुआ भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कमेंट्री कर रहीं पूर्व क्रिकेटर ईसा गुहा के साथ। वह जसप्रीत बुमराह पर एक कॉमेंट करके विवादों में आ गई हैं।

जसप्रीत बुमराह को बंदर बोल विवादों में आईं ईसा गुहा उन्होंने जसप्रीत बुमराह की कातिलाना गेंदबाजी की तारीफ करते हुए उन्हें कीमती बंदर बोल बैठीं। बवाल मचा तो उन्होंने माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका इरादा सिर्फ तारीफ का था, लेकिन इसके लिए शब्द सही नहीं चुने। साथ ही गुहा ने अपने एशियाई मूल का होने का हवाला भी दिया, जिससे इस विवाद को दबाने में आसानी हो। बात भी सही है। उनका इरादा शायद ही ऐसा रहा हो, लेकिन न चाहते हुए भी वह विवाद में फंस गईं। **बंगाली बाला के भारतीय मूल के माता-पिता** बंगाली बाला के भारतीय मूल के माता-पिता

यहां रोचक बात यह है कि बुमराह को बंदर कहने पर नस्लीय टिप्पणी मामले में फंसी ईसा गुहा खुद भारतीय मूल की हैं। उनके माता-पिता बंगाल से आते हैं। उनके पिता बरून गुहा और रोमा देब भारत में कलकत्ता (कोलकाता) से थे, जो 1970 में ब्रिटेन जाकर बस गए। अगर वे यूनाइटेड किंगडम नहीं जाते तो शायद नीली जर्सी में ईसा भारतीय टीम के लिए खेली होतीं। **सिर्फ क्रिकेटर नहीं, खूब पढ़ी लिखी हैं ईसा गुहा**

खैर, यही तो किस्मत है। ईसा ने इंग्लैंड में अपने भाई के साथ क्रिकेट की शुरुआत की और 13 साल की उम्र में डेवलपमेंट इंग्लैंड की टीम के लिए चुनी गईं। गुहा ने वायकॉम्ब हाई स्कूल में पढ़ाई की। उसके बाद यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन गई जहां उन्होंने बायोकेमिस्ट्री और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (बीएससी स्नातक) और फिर न्यूरोसाइंस (एमफिल) में पढ़ाई पूरी की।

17 साल की उम्र में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू रोचक बात यह है कि ईसा गुहा ने 17 साल की उम्र में इंग्लैंड के लिए भारत के खिलाफ 2002 में टेस्ट डेब्यू किया। वह इंग्लैंड के लिए खेलने वाली पहली भारतीय मूल की महिला क्रिकेटर बनीं, जबकि इसी साल स्पोर्ट्स पर्सनालिटी ऑफ द ईयर का अवॉर्ड भी जीता। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 8 टेस्ट, 83 वनडे और 22 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले। अंग्रेज बॉयफ्रेंड से भारतीय अंदाज में शादी, एशियन के लिए चलाती हैं ट्रस्ट, पूजा में विश्वास अंग्रेज बॉयफ्रेंड से भारतीय अंदाज में शादी, एशियन के लिए चलाती हैं ट्रस्ट, पूजा में विश्वास

क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद कमेंट्री करने वाली ईसा गुहा ने 2018 में अपने लंबे समय तक बॉयफ्रेंड रहे रिचर्ड थॉमस से शादी की। रिचर्ड ब्रिटिश म्यूजिशियन हैं और Brother & Bones के सदस्य हैं। इंटरेस्टिंग बात यह है कि उन्होंने यह शादी भारतीय रिती रिवाज से की थी। यानी उन्होंने साड़ी पहनी थी और 7 फेरे लिए थे। यही नहीं, वह एशियन फैमिली की मदद के लिए ट्रस्ट भी चलाती हैं। यही नहीं, दुर्गा पूजा के दौरान वह मंदिर की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर कर चुकी हैं। वह भारत की नागरिक भले नहीं हैं, लेकिन भारतीयता में विश्वास करती हैं।

नाम बड़े और दर्शन छोटे... ब्रिस्बेन के गाबा में इन 4 खिलाड़ियों ने कटा दी टीम इंडिया की नाक

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट मैच का रोमांच शुरू हो चुका है। खेल के तीसरे दिन टीम इंडिया की स्थिति काफी खराब हो गई। इसके पीछे टॉप ऑर्डर की बल्लेबाजी रही। टॉप ऑर्डर में टीम के 4 खिलाड़ी बुरी तरह से फ्लॉप रहे।

ब्रिस्बेन के गाबा टेस्ट मैच के तीसरे दिन मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने टीम इंडिया पर अपना शिकंजा कस लिया है। बारिश से प्रभावित खेल के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने टीम की पारी में सिर्फ 51 रन के स्कोर पर 4 विकेट झटक लिए हैं। ये चारों विकेट टीम के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज के हैं। दिन की समाप्ति तक टीम इंडिया के लिए केएल राहुल और कप्तान रोहित शर्मा क्रीज पर खड़े थे, लेकिन जिस तरह से यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और विराट कोहली ने अपना विकेट गंवाया वह काफी निराशाजनक था।

लगाताक दूसरे मैच में नहीं चला यशस्वी का बल्ला पर्थ टेस्ट मैच में कमाल दिखाने वाले ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लगातार दूसरे मैच में फ्लॉप रहे हैं। एडिलेड में खराब बल्लेबाजी के बाद गाबा में भी उनका बल्ला नहीं चला। टीम इंडिया के लिए केएल राहुल के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे यशस्वी सिर्फ 2 गेंद का सामना कर पाए जिसमें उन्होंने एक चौका लगाया। इसके बाद वह स्टार्क का शिकार बन गए। **सिर्फ 1 रन बना पाए शुभमन गिल**

भारतीय टीम के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले शुभमन गिल की ब्रिस्बेन के गाबा टेस्ट मैच में हालत बहुत ही खराब रही थी। यशस्वी जायसवाल के आउट होने के बाद गिल सिर्फ 3 गेंद का ही सामना कर पाए। इस दौरान गनीमत ये रही कि गिल ने अपना खाता खोल लिया था। सिर्फ 1 रन बनाने के बाद के वह मिचेल स्टार्क की गेंद पर मार्श के हाथों कैच आउट हो गए।

विराट कोहली ने हद पार कर दी है

टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली भी बल्लेबाजी में बुरी तरह से एक्सपोज हो गए हैं। विराट कोहली गाबा टेस्ट मैच में टीम इंडिया के लिए पहली पारी में 16 गेंद तक क्रीज पर रहे, लेकिन एक बार फिर उन्होंने अपनी पुरानी गलती को दोहराते हुए विकेट फेंक दिया। इस तरह विराट को जहां जिम्मेदारी उठानी चाहिए वहां उन्होंने साथ छोड़ दिया। **ऋषभ पंत नहीं झेल पाए दबाव** टॉप ऑर्डर में गिरे लगातार तीन विकेट का दबाव ऋषभ पंत पर साफ देखने को मिला। पंत एडिलेड में टीम इंडिया लिए काफी संघर्ष किया था, लेकिन गाबा में वह कुछ खास नहीं कर पाए और सिर्फ 9 रन बनाकर आउट हो गए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0535 एवं 1272 खलकूटवा रातू रोड पुलिस स्टेशन रांची में विजय जनरल स्टोर किनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फ़ोन नं .651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670